उज्जैन
रविवार
05
अप्रैल, 2026
मूल्य- 2 रु.
■ वर्ष-12
■ अंक-151
मालवा डिवीजन 402/2024-2026
आर एन आई क्रमांक 2013/57651

दैनिक ब्रह्मास्त्र

नागिन 7 सीरियल बंद हो सकता है कमजोर कहानी और एआई के इस्तेमाल से गिरी टीआरपी एकता कपूर बोलीं- बजट कम है इसलिए सहारा लिया

ईरान ने शांति वार्ता के लिए छोड़ा रास्ता खुला, लापता अमेरिकी पायलट की तलाश से बढ़ा तनाव

वाशिंगटन। मध्य पूर्व में जारी भीषण संघर्ष के बीच ईरान ने एक बार फिर शांति वार्ता के संकेत दिए हैं, लेकिन हालात अब भी

बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अर्गची ने स्पष्ट किया है कि उनका देश बातचीत के लिए तैयार है और उन्होंने कभी भी पाकिस्तान के इस्लामाबाद जाने से इनकार नहीं किया। उन्होंने अमेरिकी मीडिया पर ईरान की स्थिति को गलत तरीके से पेश करने का आरोप भी लगाया। अराघची ने सोशल मीडिया पर बयान जारी करते हुए कहा कि ईरान एक स्थायी और निष्पक्ष शांति चाहता है, लेकिन वह किसी भी तरह के दबाव या एकतरफा शर्तों को स्वीकार नहीं करेगा।

अहमदाबाद प्लेन हादसे के पीड़ित परिवारों का पीएम को लेटर

नई दिल्ली/अहमदाबाद। अहमदाबाद में एअर इंडिया प्लेन क्रैश के 10 महीने बाद करीब 30 पीड़ित परिवारों ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेटर लिखा है। उन्होंने पीएम से फ्लाइट का ब्लैक बॉक्स और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर डेटा सार्वजनिक करने की मांग की है। परिजनों ने कहा, हमें पैसे नहीं चाहिए। हमें सच्चाई जाननी है। हम जानना चाहते हैं कि हादसा क्यों हुआ और क्या इसमें कोई तकनीकी खराबी थी। परिजनों का कहना है कि अगर ब्लैक बॉक्स डेटा सार्वजनिक नहीं किया जा सकता, तो कम से कम इसे निजी तौर पर परिवारों के साथ साझा किया जाए। 12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन जा रहा बोइंग 787-8 विमान टेकऑफ के तुरंत बाद मेडिकल कॉलेज हॉस्टल पर गिर गया था।

एपस्टीन और अनिल अंबानी के बीच सैकड़ों मैसेज-ईमेल हुए

न्यूयॉर्क। अमेरिका के यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन ने 2017 में उद्योगपति अनिल अंबानी के सामने खुद को

डोनाल्ड ट्रम्प के पहले कार्यकाल के व्हाइट हाउस के इनसाइडर की तरह पेश किया था। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों के बीच दो साल तक सैकड़ों मैसेज और ईमेल हुए। इनमें एपस्टीन ने ट्रम्प प्रशासन की नियुक्ति व विदेश नीति से जुड़ी जानकारियां साझा कीं, जो बाद में सही भी निकलीं। हालांकि, इस बात का कोई सबूत नहीं मिला कि एपस्टीन की व्हाइट हाउस तक सीधी पहुंच थी।

समर्थन पर गेहूं बेचने बंपर रजिस्ट्रेशन, गोदाम फुल, 75 से 80 लाख टन की जगह बची

भोपाल। तीन बार गेहूं खरीदी की तारीख बढ़ाने से किसान भड़क गए हैं। रविवार को तहसील मुख्यालयों पर किसान ज्ञापन देकर विरोध प्रदर्शन करने वाले हैं। दूसरी तरफ सरकार ने भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधियों से संपर्क साधा है। उनसे रविवार को ही बात की जा सकती है। खाद्य विभाग किसानों को सफाई देने वाला है कि वर्तमान परिस्थितियों में पहले से वेयर हाउस में 78 लाख टन सरप्लस गेहूं रखा है। करीब 48 लाख टन धान और 10 लाख टन चावल है। सिर्फ 75 से 80 लाख टन और अनाज रखने की कैपेसिटी है। जितने किसानों ने रकबे के हिसाब से उत्पादन और समर्थन मूल्य पर बिक्री का रजिस्ट्रेशन कराया है, करीब 160 लाख टन गेहूं खरीदना पड़ेगा। यदि पूरा गेहूं सरकार को ही खरीदना पड़ा तो 43 हजार करोड़ रुपए जुटाने होंगे।

एमपी में क्रिकेट टीम के मालिक पर एफआईआर

300 करोड़ की जमीन पर कब्जे का आरोप

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इंदौर

इंदौर में 300 करोड़ रुपए की जमीन पर कब्जे के आरोप में शराब कारोबारी सूरज रजक के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। रजक मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की एमपी लीग में इस साल पहली बार खेलने वाली मालवा स्टैलियंस टीम के मालिक भी हैं।

अभिनेत्री रेमन कक्कड़ की शिकायत पर पहले केस दर्ज नहीं हुआ, लेकिन मुख्य सचिव से शिकायत के बाद शुक्रवार देर रात लसूड़िया थाने में मामला दर्ज किया गया।

अभिनेत्री रेमन ने मुख्य सचिव से की थी शिकायत

रेमन कक्कड़ के मुताबिक, निपानिया स्थित सर्वे नंबर 414 की करीब दो हेक्टेयर जमीन उनकी मां नरेंद्र कौर सलूजा, भाई पुष्पेंद्र और रणधीर सलूजा के नाम पर है। आरोप है कि रजक ने इस जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश की। पुलिस ने इस मामले में धारा 329(3) के तहत केस दर्ज किया है। शिकायत के अनुसार, रजक ने पहले रेमन के पति ऋषि कक्कड़ से 6000 वर्गफीट जमीन शराब दुकान के लिए किराए पर मांगी थी। परिवार ने इनकार किया तो उन्होंने अन्य सदस्यों से भी संपर्क किया, लेकिन सभी ने जमीन देने से मना कर दिया। इसके बावजूद 3 अप्रैल को जब परिवार मौके पर पहुंचा, तो कुछ लोग जमीन पर कब्जा करते मिले। सूचना पर पुलिस पहुंची और कब्जा रुकवाया गया।

मुख्य रोड पर जमीन, दुकान खोलने की कोशिश

बताया जा रहा है कि यह जमीन मुख्य सड़क पर स्थित है और इसकी कीमत करीब 300 करोड़ रुपए है। रजक ने हाल ही में करीब 150 करोड़ रुपए में शराब ठेका लिया है। मौजूदा दुकान पीछे की ओर है, जबकि इस जमीन पर दुकान खोलने से बिक्री बढ़ सकती है। हालांकि नियमों के मुताबिक इस लोकेशन पर शराब दुकान खोलना संभव नहीं बताया जा रहा।

पहले भी विवादों में रह चुके हैं रजक

साल 2025 में भी कनाड़िया क्षेत्र में सूरज रजक और उनके सुरक्षाकर्मियों पर एक किसान से मारपीट और हवाई फायरिंग के आरोप लगे थे। उस मामले में भी पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू की थी।

अभिनेत्री का भाई बोला- कल ही पता चला

रेमन के भाई रणधीर सलूजा ने बताया कि मेरी जमीन पिता ने 1964 में ली थी। आईडीए को हमने जमीन रोड चौड़ीकरण के लिए 2010 में दी थी। सूरज रजक हमारी जगह मांग रहा था, हमने मना कर दिया था। हमने पहले भी पुलिस को आवेदन दिया है। कल मैं दिल्ली आया था इसी दौरान मेरी बहन रेमन को पता चला कि जमीन पर कब्जे का काम किया जा रहा है तो वह थाने गई और एफआईआर दर्ज कराई।

एमपी में एलपीजी संकट

सिर्फ 5 किलो का कनेक्शन मिलेगा

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मध्य प्रदेश में नए एलपीजी कनेक्शन के लिए पोर्टल बंद है। ग्राहकों को 14 किलो सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। भोपाल और इंदौर में परेशानी बढ़ गई है। राहत के लिए खाद्य विभाग अब 5 किलो के नए कनेक्शन देगा। अब ऑयल कंपनियां कस्टमर को स्टर भेजेंगी, जिसमें बुकिंग कन्फर्म और डिलीवरी की तारीख होगी। एसएमएस में लिखा रहेगा कि वे गैस एजेंसी पर न जाएं। सिलेंडर उनके घर पहुंचा दिया जाएगा। इससे पैनिक स्थिति नहीं रहेगी।

पोर्टल बंद होने से कई शहरों में दिक्कत- गैस को लेकर ऑयल कंपनी और अफसरों के साथ एसीएस (फूड एंड सिविल सप्लाय) रश्मि शमी ने मीटिंग की। पोर्टल बंद होने से कई शहरों के कस्टमर परेशान हैं। इंदौर में लोगों की परेशानी बढ़ी है। भोपाल में गैस किल्लत के बीच लोग नए कनेक्शन के लिए आवेदन कर रहे हैं, लेकिन पोर्टल बंद होने से ई-केवायसी और नए कनेक्शन की सभी प्रक्रियाएं सस्पेंड हैं।

अभी 5 किलो कनेक्शन देगी कंपनी, बाद में 14 किलो में कन्वर्ट होगा- मीटिंग में कहा गया कि 14 किलो वाला कनेक्शन नहीं दे रहे तो 5 किलो का ही कंपनी दे। जब पोर्टल शुरू होगा, तब इसे 14 किलो में कन्वर्ट कर देंगे। आदेश जल्द जारी हो सकते हैं। प्रदेश में इंडेन कंपनी के सिलेंडर को लेकर सबसे ज्यादा दिक्कत है। इसके नए कनेक्शन नहीं मिल रहे।

126 अस्पतालों की आयुष्मान मान्यता खत्म

इनमें भोपाल के 51, इंदौर के 30 अस्पताल, एनबीएच सर्टिफिकेट नहीं दिया, फ्री इलाज बंद

ब्रह्मास्त्र ▸▸ भोपाल

मध्यप्रदेश में आयुष्मान भारत योजना के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए 126 अस्पतालों की मान्यता खत्म कर दी है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में यह कदम उन अस्पतालों पर उठाया गया है, जिन्होंने एनएबीएच सर्टिफिकेट की जानकारी तय समय में नहीं दी। आयुष्मान कार्यालय ने पहले अस्पतालों को नोटिस देकर मौका दिया था, लेकिन इन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। रविवार को इन अस्पतालों को नोटिस देकर जानकारी दी जाएगी। अब इन अस्पतालों में आयुष्मान के तहत मुफ्त इलाज नहीं मिलेगा।

4 शहरों में 398 में से 126 अस्पताल प्रभावित- प्रदेश के चार बड़े शहरों-भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में कुल 398 अस्पताल योजना से जुड़े हैं। इनमें से 126 अस्पताल एनएबीएच सर्टिफिकेट की जानकारी नहीं दे सके, जिस कारण उन पर कार्रवाई हुई। इनमें भोपाल के 51, इंदौर-30, ग्वालियर-33 और जबलपुर के 12 अस्पताल शामिल हैं।

आयुष्मान सीईओ बोले- मरीजों को बेहतर इलाज मिलेगा

आयुष्मान भारत मध्यप्रदेश के सीईओ डॉ. योगेश भरसट ने कहा, यह कदम अस्पतालों में इलाज की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए उठाया गया है। नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है, ताकि मरीजों को सुरक्षित और बेहतर इलाज मिल सके।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री की भारत को धमकी

अगला युद्ध बॉर्डर तक नहीं रहेगा, कोलकाता तक पहुंचेंगे

ब्रह्मास्त्र ▸▸ इस्लामाबाद

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बार फिर भारत को धमकी दी। उन्होंने शनिवार को कहा कि अगला संघर्ष सिर्फ सीमाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि कोलकाता तक पहुंच सकता है।

सियालकोट में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने फॉल्स फ्लैग ऑपरेशन (छिपकर हमला करना) का आरोप लगाया, लेकिन इसके समर्थन में कोई सबूत पेश नहीं किया।

आसिफ ने कहा कि अगर भारत कोई कार्रवाई करता है, तो पाकिस्तान जवाबी हमला भारतीय क्षेत्र के अंदर तक करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि

अगली बार संघर्ष 200-250 किमी तक सीमित नहीं रहेगा, हम उनके घरों तक जाएंगे। इससे पहले भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने चेतावनी दी थी कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत का निर्णायक जवाब दिया जाएगा। हाल ही में पाकिस्तान के पूर्व उच्चायुक्त अब्दुल बसित ने भी भारत के शहरों को निशाना बनाने की बात कही थी। उन्होंने दिल्ली और मुंबई का नाम लिया था।

सिंहस्थ में स्वास्थ्य सेवाओं पर भी फोकस...बदल जाएगी सरकारी अस्पतालों की सूरत

इंदौर से उज्जैन तक सरकारी अस्पतालों के लिए बड़ा बजट

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सिंहस्थ को लेकर प्रदेश में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। इंदौर से उज्जैन तक सरकारी अस्पतालों के लिए सरकार बड़ा बजट बना रही है और इस तरह की तैयारियां की जा रही हैं कि एक ही समय में बड़ी संख्या में लोग बेहतर इलाज प्राप्त कर सकें।

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने हाल ही में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला से इंदौर प्रवास के दौरान मुलाकात की। इस दौरान शहर की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और सिंहस्थ महापर्व 2028 की तैयारियों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य इंदौर के प्रमुख अस्पतालों में जारी निर्माण कार्यों की समीक्षा करना और आगामी महापर्व की तैयारियों को गति देना था। सिलावट ने एमवाय अस्पताल और निर्माणाधीन जिला अस्पताल के कार्यों को समय सीमा में पूरा करने का आग्रह किया। सिंहस्थ महापर्व की महत्ता को देखते हुए सिलावट ने निर्माण कार्यों में तेजी लाने की आवश्यकता जताई। उन्होंने धार रोड पर बन रहे प्रदेश के सबसे बड़े जिला अस्पताल भवन का कार्य शीघ्र पूर्ण करने की मांग की ताकि स्थानीय और बाहरी मरीजों को उच्च स्तरीय उपचार मिल सके। साथ ही सांवेर विधानसभा क्षेत्र की 30 से अधिक स्वास्थ्य संस्थाओं, जिनमें सीएचसी और पीएचसी शामिल हैं, के सुदृढ़ीकरण पर भी चर्चा की गई। शिप्रा, धरमपुरी और सांवेर में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया गया। सरकार की योजना है कि सिंहस्थ से पहले इंदौर से उज्जैन तक स्वास्थ्य सुविधाएं इतनी बेहतर हों कि लाखों लोगों के उपचार की व्यवस्था सभी स्थानों पर एक साथ संभाली जा सके।

775 करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत

मंत्री सिलावट ने बताया कि इंदौर एक प्रमुख चिकित्सा केंद्र है और यहां प्रतिदिन हजारों मरीज उपचार के लिए आते हैं। अकेले एमवाय अस्पताल में रोजाना पांच हजार से अधिक मरीज पहुंचते हैं। मरीजों की बढ़ती संख्या और बेड की उपलब्धता के बीच अंतर को कम करने के लिए शासन ने लगभग 775 करोड़ रुपये के विकास कार्य स्वीकृत किए हैं। इन कार्यों से अस्पताल का उन्नयन किया जा रहा है ताकि मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

खबर एक नजर...

गांजा उपलब्ध कराने वाले की तलाश में दबिश

उज्जैन। भाटपचलाना थाना पुलिस ने ग्राम खरसौदकला में झाबरी पुलिस के पास से बाइक क्रमांक एमपी 13 झेड क्यू 0955 पर सवार महेश पिता अमरसिंह भीलवाड़ा निवासी मंडी गेट खरसौदकला को गिरफ्तार कर 1 किलो 840 ग्राम गांजा बरामद किया था। मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 का प्रकरण दर्ज कर पूछताछ के लिये 2 दिनों की रिमांड पर लिया था। इस दौरान गांजा उपलब्ध कराने वाले जानकारी सामने आ गई। थाना प्रभारी सत्येन्द्रसिंह चौधरी ने बताया कि एक टीम गांजा देने वाले की तलाश में रवाना की गई है। संभावना है कि रविवार तक उसकी भी गिरफ्तारी हो सकती है।

पारिवारिक विवाद में जहर खाने वाले युवक की मौत

उज्जैन। पारिवारिक विवाद में 2 दिन पहले जहरीला पदार्थ खाने वाले युवक की शनिवार को मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा है। महाकाल थाना एएसआई शंकरलाल कनौजिया ने बताया कि जयसिंहपुरा में रहने वाले कुणाल पिता राधेश्याम बागड़ी 24 साल की उपचार के दौरान मौत होने पर मर्ग कायम किया गया है। शनिवार को पोस्टमार्टम कराया गया, इस दौरान सामने आया कि पारिवारिक विवाद होने पर 2 दिन पहले जहरीला पदार्थ खाया था। कुणाल फूल प्रसाद की दुकान लगाता था और प्रेम विवाह किया था, उसकी 6 माह की बेटी भी है। एएसआई कनौजिया के अनुसार परिजनों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू की जायेगी। एक अन्य मामले में घौंसला की रहने वाली पार्वती पति जगदीश परमार 52 वर्ष ने भी जहरीला पदार्थ खा लिया था, जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मामले में अस्पताल पुलिस चौकी ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया। मर्ग डायरी संबंधित थाना पुलिस को जांच के लिये भेजी जायेगी।

कार्यशाला में भारतीय ज्ञान परंपरा पर जोर

उज्जैन। महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय के योग विभाग की पंच दिवसीय मर्म चिकित्सा प्रायोगिक प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन हुआ। कार्यशाला में प्रतिभागियों को मर्म चिकित्सा के व्यावहारिक पक्षों का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में योग, भारतीय परंपरा और चिकित्सा विज्ञान के समन्वय पर चर्चा हुई। समापन सत्र में मुख्य अतिथि प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि प्रो. रामनारायण द्विवेदी और काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. विनय कुमार पांडेय थे। अध्यक्षता प्रो. शिवशंकर मिश्र ने की। प्रो. रामनारायण द्विवेदी ने मर्म चिकित्सा को शरीर, मन और चेतना के संतुलन से जुड़ा विज्ञान बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी कार्यशालाएं शास्त्रीय ज्ञान को व्यावहारिक जीवन से जोड़ती हैं। प्रो. विनय पांडेय ने मर्म चिकित्सा और ज्योतिष के संबंध का उल्लेख किया। उन्होंने इसे मानव शरीर और ब्रह्मांडीय ऊर्जा के संतुलन की अवधारणा से जुड़ा बताया और इसके प्रसार की जरूरत बताई। उन्होंने भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक संदर्भों में स्थापित करने के प्रयासों की बात कही।

एनएसयूआई ने लगाया रक्तदान शिविर, संकल्प दिलाया

उज्जैन। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) का 55वां स्थापना दिवस मनाया जा रहा है, जिसके तहत 9 अप्रैल तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाने हैं। स्थापना उत्सव के दूसरे दिन शासकीय जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर लगाया गया। शिविर महासचिव हिमांशु शुक्ल के नेतृत्व में हुआ। कार्यक्रम के दौरान छात्र नेता अखिलेश अस्तेय की मौजूदगी में छात्रों को जरूरत के समय रक्तदान करने का संकल्प दिलाया गया। अतिथि दीपेश जैन रहे। आयोजन का उद्देश्य स्थापना दिवस के अवसर पर जरूरतमंद लोगों की सहायता करना और संगठन को मजबूत बनाना बताया गया। इस मौके पर यश जैन, सोहेल जैदी, अभिजीत बैरागी, अमन रघुवंशी, बिट्टू चौकसे, ऋषभ यादव आदि मौजूद रहे।

ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण उज्जैन शहर में जलेबी-फाफड़ा मिलना बंद

कचोरी, समोसे और चाय के दाम बढ़े

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण उज्जैन शहर में जलेबी-फाफड़ा मिलना बंद हो गया है। अधिकांश दुकानदारों ने गैस की कमी के चलते इसे बनाना बंद कर दिया है। इसके चलते लोगों को पोहे के साथ मिलने वाली जलेबी नहीं मिल पा रही है। वहीं, कई होटल संचालकों ने समोसा-कचोरी के दाम बढ़ाने के साथ उत्पादन भी घटा दिया है।

मालवा क्षेत्र में आमतौर पर सुबह का नाश्ता पोहा-जलेबी के साथ होता है, लेकिन ईरान-अमेरिका युद्ध के कारण आम लोगों से जलेबी का स्वाद छिन गया है। दरअसल, उज्जैन के करीब 5 हजार होटल-रेस्टोरेंट में रोज सुबह चाय, पोहा, जलेबी, फाफड़ा और पापड़ी का नाश्ता तैयार होता है। लेकिन गैस की किल्लत ने इस नाश्ते का स्वाद बिगाड़ दिया है।

गैस सिलेंडर की कमी के चलते कुछ रेस्टोरेंट संचालकों ने जलेबी, फाफड़ा और पापड़ी बनाना पूरी तरह बंद कर दिया है, तो कुछ इसे दिन में सिर्फ एक बार बनाकर रख रहे हैं। इसके बाद पूरे दिन बनाने पर रोक लगा दी जाती है।

शहर के जनता टी स्टॉल, महाकाल रेस्टोरेंट, जैन समोसा-कचोरी रेस्टोरेंट, काका के समोसे, नागर पोहा-जलेबी रेस्टोरेंट सहित फ्रीगंज, ऋषिनगर, नानाखेड़ा, कंठाल, सराफा, इंदौर गेट,

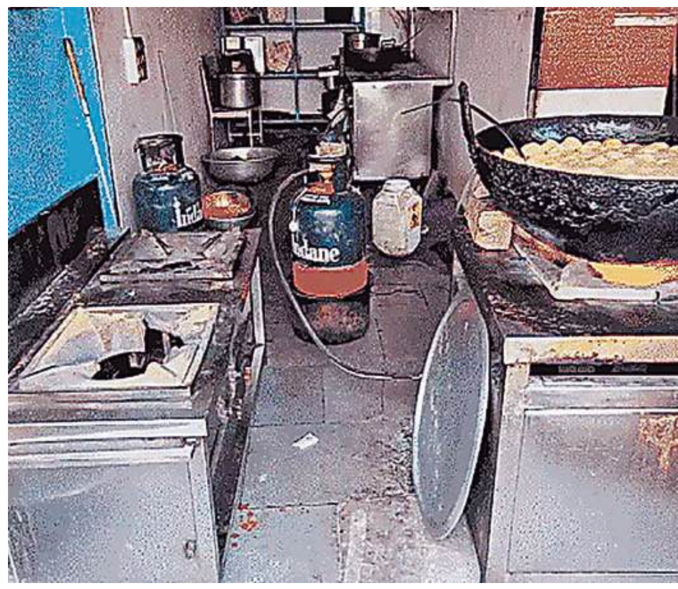

बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन के सामने स्थित कई होटल-रेस्टोरेंट में जलेबी बनना बंद हो गया है।

दिन में सिर्फ एक बार बनाते हैं समोसे- 'काका के समोसे' रेस्टोरेंट के संचालक संजय यादव ने बताया कि युद्ध के बाद से गैस की कमी लगातार बनी हुई है। अब हालत यह हो गई है कि सिलेंडर मिलना मुश्किल हो गया है। इसके चलते उन्होंने लकड़ी की भट्टी पर समोसे बनाना शुरू कर दिया है, वह भी दिन में सिर्फ एक बार। पहले दिन भर समोसे बनते थे। चाय बनाने के लिए केवल इंडक्शन का उपयोग किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि करीब 15 दिनों से जलेबी नहीं बनाई गई, क्योंकि जलेबी बनाने के लिए लंबे समय तक गैस की जरूरत होती है।

गैस नहीं मिलने से आर्थिक नुकसान भी हो रहा है। इसके चलते समोसा-कचोरी का दाम 12 रुपए से बढ़ाकर 15 रुपए कर दिया गया है, वहीं चाय 8 रुपए से बढ़ाकर 10 रुपए में बेची जा रही है। संचालक के अनुसार, उन्हें हर महीने करीब 80 हजार से 1 लाख रुपए तक का नुकसान हो रहा है। महंगाई बढ़ने से बिक्री भी कम हुई है।

15 रुपए का समोसा 18 में बेचना पड़ रहा

- जनता टी स्टॉल के संचालक ने बताया कि उनके यहां दिनभर जलेबी, फाफड़ा और पापड़ी की अच्छी बिक्री होती थी। पहले जलेबी लगातार बनती रहती थी, लेकिन अब केवल सुबह एक बार ही बनाई जाती है। जलेबी की चाशनी और चाय का काम इंडक्शन पर किया जा रहा है। गैस की कमी के कारण काफी परेशानी हो रही है।
- उन्होंने बताया कि पहले समोसे 15 रुपए में बेचे जाते थे, लेकिन गैस आपूर्ति में कमी और तेल-दाल की कीमत बढ़ने के कारण अब समोसे 18 रुपए में बेचे जा रहे हैं। गैस पाइपलाइन लगवाने का प्रयास किया गया, लेकिन दो महीने की वेटिंग चल रही है, जिससे रेस्टोरेंट संचालन में दिक्कत आ रही है।

15 साल से समोसा-कचोरी 8 रुपए में बेच रहे थे

उज्जैन में सबसे सस्ते समोसा-कचोरी बेचने वाले जैन समोसा रेस्टोरेंट में भी दाम बढ़ गए हैं। फ्रीगंज स्थित इस रेस्टोरेंट के संचालक कमलेश जैन ने बताया कि वे पिछले 15 साल से समोसा-कचोरी 8 रुपए में बेच रहे थे। लेकिन गैस की किल्लत के चलते 10 दिन पहले दाम बढ़ाकर 10-10 रुपए कर दिए गए हैं।

अब फुल चाय 15 से 20 रुपए में मिल रही

व्यापारियों का कहना है कि मजबूरी में उन्हें नाश्ते के कई आइटम बंद करने पड़ रहे हैं या फिर दाम बढ़ाकर समोसा-कचोरी का आकार छोटा करना पड़ रहा है। इससे नुकसान भी हो रहा है, क्योंकि पहले जो ग्राहक दो समोसे या दो कचोरी खाता था, अब एक ही ले रहा है, जो ग्राहक पहले पोहा और जलेबी भी खाता था, अब सिर्फ समोसा या पोहा ही ले रहा है। वहीं, 10 रुपए में मिलने वाली चाय की मात्रा भी कम कर दी गई है, जबकि फुल चाय अब 15 से 20 रुपए तक बेची जा रही है।

क्षेत्र में श्रद्धालुओं की संख्या से व्यवसाय में तेजी आई, दो मंजिला स्मार्ट पार्किंग में वाहन भी फूल

महाकाल क्षेत्र के व्यवसाय में तेजी, अवकाश में बढ़े श्रद्धालु

होटल, होम स्टे में भी अच्छी खासी बुकिंग बढ़ी, नास्ता, खाना की दुकानों में भी व्यवसाय तेज

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

तीन दिन अवकाश के चलते भगवान श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने से क्षेत्र के व्यवसाय में तेजी बताई जा रही है। सामान्य दिनों में जहां डेढ़ लाख श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस संख्या से वर्तमान में अवकाश का आंकडा बढ़ा है। मंदिर समिति के फैले हुए प्रांगण एवं बेरिकेडस से श्रद्धालुओं को सुविधाजनक दर्शन हो रहे हैं। शहर में चल रहे आयोजनों के दौर में मंदिर में दर्शन करने आने वाले वीआईपी की संख्या में भी एक दम से ईजाफा हुआ है। प्रदेश के साथ अन्य प्रदेशों के मंत्री एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों की संख्या में भी पिछले दो दिनों से बढ़ी हुई है।

व्यवस्थाओं के विस्तार के समक्ष संख्या कम

इधर यह सामने आया कि श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के बावजूद मंदिर समिति के श्रद्धालुओं के लिए खड़े रहने एवं बेरिकेडस में खड़े रहने की पर्याप्त क्षेत्र होने से कोई खास फर्क नहीं पडता है। सामान्य दिनों में डेढ-दो लाख श्रद्धालुओं के दर्शन के दौरान श्रद्धालु चलते हुए ही भगवान के सामने पहुंच जाते हैं उन्हें कहीं भी रूकना नहीं पड़ता है। इसकी अपेक्षा शनिवार को श्रद्धालुओं की कतार को रोक-रोक कर चलाने की स्थिति बेरिकेडस में बन रही थी।

- **बाजार में भी आयी तेजी-** तीन दिनी अवकाश में मंदिर क्षेत्र के बाजार में भी तेजी देखी जा रही है। मंदिर क्षेत्र में स्मार्ट पार्किंग भी बराबर भरी हुई चल रही है। उसके साथ ही मंदिर क्षेत्र की होटलों एवं होम स्टे में बराबर बुकिंग पहुंच रही है। यही नहीं जलपान एवं खान पान की दुकानों पर भी बराबर भीड बनी हुई है।
- **तीन दिन में पहुंचे 5 लाख श्रद्धालु-** शनिवार देर रात तक पिछले तीन दिनों में मंदिर में दर्शनों के लिए पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या का आंकडा करीब 5 लाख के आसपास जा रहा है। मंदिर प्रबंध समिति के हेड काउंटेबिल स्थिति में शनिवार रात 8 बजे तक 4.82 हजार के लगभग यह आंकडा था।

महाकाल की शरण में एक्ट्रेस कावेरी प्रियम

बोली- तीन साल से आ रही हूं, भस्म आरती करते समय जो एनर्जी मिलती हैं वह अद्भुत

ब्रह्मास्त्र ›› उज्जैन

श्री महाकालेश्वर मंदिर में शनिवार तड़के भस्म आरती के दौरान टीवी और फिल्म एक्ट्रेस कावेरी प्रियम बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंचीं। सुबह करीब 4 बजे वे आरती में शामिल हुईं और नंदी हाल में बैठकर भस्म आरती का दिव्य नजारा देखा।

आरती के बाद कावेरी ने देहरी से भगवान महाकाल को जल अर्पित कर आशीर्वाद लिया।

तीन साल से आ रही हूं, यहां अलग ही ऊर्जा है- दर्शन के बाद कावेरी प्रियम ने कहा कि बाबा महाकाल के दरबार से मिलने वाली शक्ति को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मैं पिछले तीन साल से लगातार यहां आ रही हूं। भस्म आरती के समय जो ऊर्जा महसूस होती है, वह अद्भुत है।

टीवी से फिल्मों तक का सफर- कावेरी प्रियम ने टीवी शो नागिन 2 में बीके किरदार से अपने करियर की शुरूआत की थी। इसके बाद उन्होंने ये रिश्ते हैं प्यार के में कुहू माहेश्वरी राजवंश और जिद्दी दिल माने ना में डॉ. मोनामी महाजन का किरदार निभाकर पहचान बनाई। फिल्मों में उन्होंने तिश्नगी से डेब्यू किया था।

उज्जैन
रविवार
05
अप्रैल, 2026

दैनिक ब्रह्मास्त्र

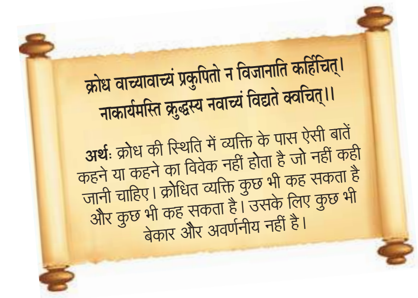

खबर एक नजर...

बंगाली चौराहे पर लगा भारी जाम, 20-25 मिनट तक थमी रही रफ्तार

इंदौर। आए दिन जाम की समस्या से लोगों को दो-चार होना पड़ रहा है। शनिवार रात इंदौर के बंगाली चौराहे पर भी भारी जाम लग गया, जिससे वाहनों की रफ्तार थम गई। धीरे-धीरे गाड़ियां आगे बढ़ती रहीं, लेकिन लोगों को काफी देर तक परेशानी झेलनी पड़ी। बाद में जाम खुलने पर स्थिति सामान्य हो सकी। ऑफिस टाइम खत्म होने के बाद चौराहे पर चारों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। घर लौटने की जल्दी में लोग जाम में फंस गए, जिससे उनकी दिक्कतें और बढ़ गईं। मिली जानकारी के मुताबिक, बंगाली चौराहे पर देर शाम अचानक जाम लग गया, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। लोग हॉर्न बजाते हुए जाम से निकलने की कोशिश करते रहे। दोपहिया वाहनों की तुलना में चारपहिया चालकों को ज्यादा समय तक फंसे रहना पड़ा। डीसीपी राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि करीब 20-25 मिनट तक जाम की स्थिति बनी रही, जो बाद में सामान्य हो गई। उल्लेखनीय है कि शहर में शाम के समय कई स्थानों पर अक्सर ऐसी स्थिति बन जाती है।

करोड़ों के बैंक घोटाले में सीबीआई की कार्रवाई

इंदौर। सीबीआई ने सोनी इस्पात के डायरेक्टर राजीव लोचन सोनी को गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि मामला करोड़ों के बैंक लोन घोटाले से जुड़ा हुआ है। आरोप है कि फर्जी दस्तावेजों से लोन लिया गया था। बताया जा रहा है कि डायरेक्टर की गिरफ्तारी के लिए टीम इंदौर आई थी। टीम दो दिन से इंदौर में ही थी। जिसके बाद उन्होंने कार्रवाई करते हुए डायरेक्टर को मनोरमागंज स्थित उनके बंगले से गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि सीबीआई ने 2022 में उन पर केस दर्ज किया गया था। ये कार्रवाई दो दिन पहले की गई। मिली जानकारी के मुताबिक बैंक की शिकायत के आधार पर सीबीआई ने केस दर्ज किया था। मामला 12 करोड़ 87 लाख के बैंक लोन धोखाधड़ी का है। आरोप है कि सोनी ने बैंक से 2006 से 2011 के बीच कैश क्रेडिट लिमिट और लेटर ऑफ क्रेडिट सुविधाएं फर्जी दस्तावेजों से ली थी। बाद में इन रुपए का इस्तेमाल दूसरे कामों में किया था। बताया जा रहा है कि इस मामले में दो और लोगों की तलाश की जा रही है।

2 डिजिटल अरेस्ट की घटना, ठग ने खुद को बताया पुणे का एटीएस अफसर

इंदौर। दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में शनिवार को डिजिटल अरेस्ट के दो मामले सामने आए हैं। दोनों मामलों में पुलिस ने शुक्रवार को केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि एक मामला छोटी ग्वालटोली थाना क्षेत्र का है, जबकि दूसरा भंवरकुआं थाना क्षेत्र का है। छोटी ग्वालटोली में क्रिश्चियन कॉलेज के पास रहने वाले सैय्यद अली से 2 लाख रुपए की ठगी की गई, वहीं भंवरकुआं क्षेत्र की विष्णुपुरी कॉलोनी निवासी अमोद साहू से 10 लाख रुपए की धोखाधड़ी हुई है। दोनों ही मामलों में बदमाशों ने खुद को पुणे एटीएस का अधिकारी बताकर कॉल किया। उन्होंने आधार कार्ड, बैंक डिटेल और लेन-देन से जुड़ी जानकारी का डर दिखाकर पीड़ितों को झांसे में लिया और ठगी को अंजाम दिया। पुलिस ने दोनों मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

25 करोड़ का कारोबार प्रभावित; अब विदेश में फिलीपींस और देश में काजीरंगा लोगों की पसंद

एमपी के 5000 पर्यटकों ने कैंसल किए यूएई टूर

ब्रह्मास्त्र ›› इंदौर

ईरान-इजराइल-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध का असर घूमने जाने वाले पर्यटकों पर भी दिखने लगा है। युद्ध के कारण पर्यटकों को अपने प्लान कैंसल करने पड़ रहे हैं।

मध्य प्रदेश के 5 हजार से ज्यादा लोगों ने अपने यूएई के टूर रद्द कर दिए हैं। इंटरनेशनल में फिलहाल सबसे ज्यादा बुकिंग फिलीपींस की है।

55 से 60 प्रतिशत लोगों ने अपने इंटरनेशनल टूर को डोमेस्टिक टूर में कन्वर्ट करा लिया है। इनमें इंदौर, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर के पर्यटक शामिल हैं। डोमेस्टिक में पर्यटक सबसे ज्यादा काजीरंगा जाना पसंद कर रहे हैं, जबकि एमपी की बात करें तो सतपुड़ा लोगों की पहली पसंद है।

इस बार युद्ध के कारण पैकेज बुकिंग में करीब 70 प्रतिशत की गिरावट आई है। ट्रैवल एजेंट्स

फेडरेशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष अमोल कटारिया ने बताया कि मई और जून समर वेकेशन के महीने होते हैं। इस दौरान पर्यटक दो से तीन महीने पहले ही प्लान बनाना शुरू कर देते हैं। इस बार भी एमपी के पर्यटकों ने जनवरी से प्लानिंग शुरू कर दी थी। फरवरी से बुकिंग शुरू हो गई थी, लेकिन ईरान युद्ध ने पूरी इंडस्ट्री का परिदृश्य बदल दिया। युद्ध के कारण एमपी के 5 हजार लोगों ने यूएई के टूर रद्द कराकर अपना पेमेंट रिफंड ले लिया है।

25 करोड़ का ट्रैवल नुकसान संभावित

ट्रैवल एजेंट्स के अनुसार, मिडिल ईस्ट के लिए औसत टूर पैकेज 50 से 60 हजार रुपए प्रति व्यक्ति होता है। यदि 50 हजार रुपए औसत और 5 हजार यात्रियों का अनुमान लगाया जाए तो करीब 25 करोड़ रुपए के संभावित ट्रैवल कारोबार का नुकसान हुआ है। हालांकि, 55 से 60 प्रतिशत पर्यटकों ने अपने टूर डोमेस्टिक करा लिए हैं।

हॉलि-डे पैकेज सीधे पोस्टपोन

ट्रैवल एजेंटों ने बताया कि अप्रैल के अंत से उनका सीजन शुरू हो जाता है। स्कूलों की छुट्टियां शुरू होते ही लोग ट्रैवल करना शुरू कर देते हैं। मई और जून में ट्रैवल का ट्रेंड बढ़ जाता है। समर सीजन के दौरान बड़ी संख्या में लोग घूमने जाते हैं, लेकिन इस बार सीजन में काफी नुकसान हुआ है। यूएई के साथ ही ओमान, बाकू और यूरोप के हॉलि-डे पैकेज सीधे कैंसल हो गए हैं। युद्ध को देखते हुए लोग फिलहाल गल्फ और यूरोपीय देशों के लिए नई बुकिंग भी नहीं करा रहे हैं। होटल ऑक्यूपेंसी में भी गिरावट दर्ज की गई है।

सबसे ज्यादा संकट यूरोप-यूएई जाने वाले टूरिस्ट पर

ट्रैवल एजेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के मध्य प्रदेश-छत्तीसगढ़ चैप्टर के अध्यक्ष हेमेंद्र सिंह जादौन ने बताया कि एमपी में इंटरनेशनल टूरिज्म की बुकिंग पर बड़ा असर पड़ा है। सबसे ज्यादा असर यूएई को लेकर देखा गया है। यूरोप और उससे आगे जाने वाले पर्यटकों ने भी अपने प्लान कैंसल कर दिए हैं। वॉर के कारण सबसे ज्यादा संकट यूरोप, यूएई और यूरोप के रास्ते अमेरिका या कनाडा के लिए कनेक्टिंग फ्लाइट लेने वाले यात्रियों को हो रहा है। वहीं, एमपी से लोग अब इंटरनेशनल ट्रैवल में जापान, कोरिया और फिलीपींस जैसे देशों की ओर रुख कर रहे हैं। डोमेस्टिक टूरिज्म में इस साल सबसे ज्यादा बुकिंग उत्तर भारत, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, ऊटी और केरल के लिए देखी जा रही है।

नेताओं की सिफारिश पर नहीं लगेगा हैंडपंप

मप्र में कलेक्टरों की मंजूरी से लग सकेंगे

ब्रह्मास्त्र ›› इंदौर

मप्र के ग्रामीण इलाकों में हैंडपंप को लेकर चलने वाली सिफारिश वाली राजनीति अब खत्म होने जा रही है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की नई व्यवस्था में अब मंत्री, सांसद और विधायकों की चिट्ठी से सीधे हैंडपंप नहीं खुदेगा। हर प्रस्ताव को प्रशासनिक और तकनीकी फिल्टर से गुजरना होगा और अंतिम फैसला कलेक्टर की अध्यक्षता वाली कमेटी करेगी। इससे स्पॉट अप्रूवल की व्यवस्था औपचारिक रूप से समाप्त हो गई है।

अब खंड कार्यालयों में हैंडपंप प्रस्ताव पंजी (रजिस्टर) जरूरी होगा, जिसमें जनप्रतिनिधियों की सिफारिशें पहले दर्ज होंगी। इसके बाद 8 सदस्यीय

कमेटी तकनीकी जांच करेगी। जब तक कमेटी हरी झंडी नहीं देगी, प्रस्ताव कागजी ही रहेगा।

नई व्यवस्था के तहत यदि जिले का सरकारी कोटा खत्म हो जाता है, तो विधायक अपनी निधि से हैंडपंप लगवा सकते हैं। लेकिन इसके बावजूद काम तभी शुरू होगा, जब कलेक्टर लिखित अनुमति देंगे और राशि विभाग के खाते में जमा होगी। नई व्यवस्था में निर्णय प्रक्रिया भी सख्त की गई है।

बैठक के लिए न्यूनतम 4 सदस्यों का कोरम जरूरी होगा और कलेक्टर (अध्यक्ष) व पीएचई के कार्यपालन यंत्री (सदस्य सचिव) की मौजूदगी अनिवार्य रहेगी। इनके बिना कोई निर्णय मान्य नहीं होगा, यानी अब काम की गति प्रशासनिक उपलब्धता पर निर्भर करेगी। नल-जल योजना फेल होने पर ग्राम पंचायत को प्रस्ताव देना होगा। पीएचई विभाग तभी काम करेगा, जब पंचायत से प्रस्ताव या आंशिक वित्तीय योगदान मिलेगा।

क्यों बदली व्यवस्था 1. कई जिलों में रसूख के आधार पर बिना जरूरत हैंडपंप खनन की शिकायतें थीं। कई जगह कागजों पर ही काम दिखाया गया, जमीन पर पानी नहीं मिला। 2. विभाग के पास फंड की कमी है। अब वित्तीय बोझ जनप्रतिनिधियों की निधि पर डालने की रणनीति अपनाई गई है। 3. गिरते भू-जल स्तर को देखते हुए अब वहीं खनन होगा, जहां तकनीकी रूप से पानी उपलब्ध है, न कि जहां राजनीतिक दबाव हो।

वीडियो कॉल पर बातकर छात्र ने खुद को मारी गोली

ब्रह्मास्त्र ›› इंदौर

मध्य प्रदेश के इंदौर में बी.फॉर्मा के 19 वर्षीय छात्र ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। वारदात से कुछ मिनट पहले उसने परिवार से वीडियो कॉल पर बात की थी। इसी दौरान पिता का कॉल आया। उन्होंने सब्जी के लिए 75 रुपए ट्रांसफर करने को कहा। छात्र ने ऑनलाइन ट्रांजैक्शन किया था। मामला एमआईजी थाना क्षेत्र का है। गोली की आवाज सुनकर पास के कमरे में बैठे रूममेट्स मौके पर पहुंचे। उस समय छात्र तड़प रहा था। वे घबरा गए और तुरंत पिता को कॉल किया। पिता मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक छात्र की मौत हो चुकी थी। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। एमआईजी थाना प्रभारी सी.बी. सिंह के मुताबिक, घटना शनिवार शाम करीब 6:40 बजे की है। नेहरू नगर में सौरभ (19) पिता धर्मराज पटेल, निवासी मैहर, अपने दोस्तों नीरज पटेल, नयन पटेल और रवि पटेल के साथ एक साल से जयसिंह राठौर के यहां किराए से रह रहा था। वह मकान की दूसरी मंजिल पर दो कमरों में रहता था। करीब 15-20 दिन पहले सौरभ के पिता इंदौर आए थे। उसके साथ रहने लगे थे। वे एक ज्वेलर्स के यहां सिक्योरिटी गार्ड थे। उनकी नाइट ड्यूटी रहती थी।

इंदौर में साइबर फ्रॉड के मामलों में क्राइम ब्रांच एक्टिव

15 लाख की ठगी के मामले में एक दर्जन खातों को कराया ब्लॉक

ब्रह्मास्त्र ›› इंदौर

इंदौर में साइबर फ्रॉड के दो अलग-अलग मामलों में क्राइम ब्रांच भी एक्टिव हो गया है। क्राइम ब्रांच की टीम पुलिस के साथ मिलकर आरोपियों की तलाश कर रही है। दो अलग-अलग मामलों में हुई 15 लाख की ठगी के मामले में एक दर्जन से ज्यादा खातों को ब्लॉक कराया जा चुका है। अब पुलिस खातों और संबंधित नंबरों की डिटेल निकालने के साथ ही टेक्निकल एविडेंस भी कलेक्ट कर रही है।

दरअसल, इंदौर में दो अलग-अलग मामलों में पुलिस के साथ मिलकर क्राइम ब्रांच भी जांच में जुट गई है। एरोड्रम और पलासिया पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच भी काम कर रही हैं। एडिशनल डीसीपी

क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि इंदौर के एरोड्रम थाना क्षेत्र में रहने वाले रिटायर्ड अफसर अशोक कुमार को स्कॉटलैंड से डॉ.लिसा डेविस ने फेसबुक पर फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी। दोनों की दोस्ती अच्छी होने पर लिसा ने स्कार्टलैंड से रिटायर्ड अफसर के लिए गिफ्ट भेजने की बात कहीं थी।

इसके बाद उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट से फर्जी कॉल आया और कॉल करने वाले ने खुद को कस्टम वाला बताते हुए पार्सल आने की बात कहीं। पार्सल में डॉलर्स होने की बात कहते हुए बदमाश ने इन डॉलर्स को कनर्वट करने को कहा और कनर्वशन प्राइजिंग प्रोसेसिंग फीस जमा करने की बात कहीं। इस प्रकार बदमाशों ने अलग-अलग कारण बताकर उनसे 10 लाख 43 हजार रुपए की ठगी कर दी। इस पर रिटायर्ड अफसर ने एरोड्रम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई।

वहीं दूसरा मामला पलासिया थाना क्षेत्र का है। यहां एक बिजनेस मैन सार्थक ने ऑनलाइन बॉडी मसाजर पसंद किया और संबंधित वेबसाइड पर जाकर 899 रुपए का ऑनलाइन पैमेंट कर प्रोडक्ट ऑर्डर कर दिया। बिजनेस मैन का प्रोडक्ट तो नहीं आया, लेकिन उन्हें बदमाश का कॉल आया, जिसमें सामने वाले ने उन्हें पैमेंट का ट्रांजेक्शन फेल होने सहित अन्य बातों का झांसा देकर 10 से 11 बार प्रोसेसिंग करा ली और 5 लाख 41 हजार रुपए ठग लिए। जिसके शिकायत उन्होंने थाने पर की। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि दोनों ही मामलों में पुलिस के साथ क्राइम ब्रांच की टीम भी जांच कर रही है। दोनों ही मामलों को मिलकर एक दर्जन से ज्यादा खाते ब्लॉक करा दिए हैं, जिनमें पैसों का ट्रांजेक्शन हुआ है। क्राइम ब्रांच की टीम दोनों ही थानों की पुलिस के साथ मिलकर खातों की डिटेल निकाल रही है। इसके साथ ही जिन नंबरों से फरियादियों को कॉल आए थे, सोशल मीडिया अकाउंट के साथ ही अन्य टेक्निकल एविडेंस के आधार पर जांच की जा रही है।

1st RERA APPROVED RESORT TOWNSHIP IN RAMNAGAR UTTARAKHAND
LUXURY VILLA
Managed By
BW | Best Western
Hotels & Resorts
Fully Furnished
Price
₹ 1.35 Cr
Onwards
Amenities
Jacuzzi
Club House
Lake
and 50+ More
Bail Parao Nainital Uttarakhand
Book Now- +91 85950 07767

घर में जहरीले जीवों को
दूर भगाने वाले पौधे
तुलसी
मच्छर / कीडे
सर्पगंधा
सांप
मेंदा
सांप / कीडे
लैवेंडर
मच्छर / पतंगे
पुदीना
चुहा / चीटिया
dakshnursery
लेमन ग्रास
मच्छर
रोजमेरी
मच्छर / मक्खी
नीम
कीडे / मच्छर
लहसुन
सांप / कीडे
अजवायन
चीटियां / कीडे

प्रातः काल मंत्र

कराग्रे वसते लक्ष्मी,
करमध्ये सरस्वती।
करमूले तु गोविन्दः,
प्रभाते कर दर्शनम् ।।

इस मंत्र को दोनों हाथों को देखते हुए बोलें।

धरती प्रणाम मंत्र

समुद्र वसने देवी,
पर्वत स्तन मंडले।
विष्णु पत्नि नमस्तुभ्यं
पादस्पर्श क्षमस्व मे ।।

इस मंत्र को पढने के बाद धरती को प्रणाम कर पैर रखें।

सूर्य नमन मंत्र

आदिदेव नमस्तुभ्यं
प्रसीद मम भास्कर।
दिवाकर नमस्तुभ्यं
प्रभाकर नमोऽस्तुते ।।

इस मंत्र से भगवान सूर्य का नमन करने से घर में धन की वृद्धि होती है।

रोग नाशक मंत्र

अच्युतानंदगोविंद
नामोच्चारण भेषजात्।
नश्यन्ति सकला रोगाः
सत्यं सत्यं वदाम्यहम् ।।

इस मंत्र के जाप से रोगों का नाश हो जाता है।

गृह शांति मंत्र

या देवी सर्व भूतेषु
शांति रूपेण संस्थिता ।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै
नमस्तस्यै नमो नमः ।।

इस मंत्र के जाप से घर में सदैव शांति रहती है। कलह समाप्त होता है।

आपदानाशक मंत्र

आपदामपहर्तारं,
दातारं सर्व सम्पदाम् ।
लोकाभिरामं श्रीराम,
भूयो भूयो नमाम्यहम् ।।

इस मंत्र के पाठ से भगवान श्रीराम आपत्तियों का नाश करते हैं और धन सम्पदा देते हैं।

भोजन मंत्र

ब्रह्मार्पण ब्रह्म हविः
ब्रह्माग्नौ ब्रह्मणा हुतम्।
ब्रह्मैव तेन गन्तव्यं,
ब्रह्म कर्म समाधिना ।।

भोजन से पहले इस मंत्र का पाठ हमारी बुद्धि और तेज को बढ़ाता है।

दीप मंत्र

दीप ज्योतिः पर ब्रह्म,
दीप ज्योतिजनार्दनः ।
दीपो हरतु मे पापं,
दीप ज्योतिर्नमोऽस्तुते ।।

दीप जलाकर इस मंत्र का पाठ हमारे पापों का नाश करता है।

महामंत्र

कृष्णाय वासुदेवाय
हरये परमात्मने।
प्रणतक्लेशनाशाय
गोविंदाय नमो नमः ।।

रात्रि में सोने से पहले इस मंत्र को पढ़ने से भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से सारे क्लेशों (दुखों) का नाश होता है।

बाधा नाशक मंत्र

सर्व बाधा प्रशमनं,
त्रैलोक्यस्याऽखिलेश्वरी।
एवमेव त्वया कार्या
अस्मद्वैरि विनाशनम् ।।

हर प्रकार की बाधा नाश करने में यह मंत्र बहुत प्रभावी है।

संतान प्राप्ति मंत्र

देवकीसुत गोविंद
वासुदेव जगत्पते।
देहि में तनयं कृष्ण
त्वामहं शरणंगतः ।।

संतान के इच्छुक दम्पति इस मंत्र का जप करें तो संतान की प्राप्ति होगी।

विद्या प्राप्ति मंत्र

सरस्वती महाभागे,
वरदे कामरूपिणी।
विश्वरूपि विशालाक्षी,
देहि विद्या परमेश्वरी ।।

विद्या प्राप्ति के लिए इस मंत्र का जाप लाभकारी है।

॥ रुद्वाभिषेक ॥

1. जल (पानी)

महत्व: ध्याद और प्विव्रता के लिए

लाभ: ॐ रींगाध्रसाय नमः।

मंत्र: ॐ गेगपाय नमः।

2. दहै

महत्व: र्ख्रवरता और प्रुञ्मिद्द का प्रहिक

लाभ: सप्रुदि लाता करताये

मत्र: ॐ सेह्लेख्रराय नमः।

4. घी

महत्व: आ3धान्पिक ज्ञान और सर्मपि त का प्रतिक.

लाभ: मकरपतदा के ह्र करता।

मंत्र: ॐ रिवाय नमः।

5. पंचामृत

महत्व: महपाताम मिक्कता ग्माव और सर्माण का प्रतिक.

लाभ: ॐ ररासस्वय नमः।

7. पचास्त (दूथ, दही, शहद, धी, चीनी)

महत्व: सांध्र्यानिक र्शति प्रशेद पत्ताम का विकक

मत्र: ॐ रिंहफकाय नमः।

8. फल

महत्व: आभम और समति का प्रतिक

लाभ: समुड्दि और ओवन गे सन्तुलन ताता।

मंत्रं: ॐ फत्त प्रदाय समः।

5. शहद

महत्व: शीतलता और ग्रुद्धता का विकक

लाभ: गन ओ शांत करता है. और मानिसक रानाव ह्रूर करता.

मंत्र: ॐ नमः रीवाय

6. चीनी

महत्व: ख्वारी और पाथसत गेर

लाभ: सप्रहिद साता सह ग्य पह दांथ ह्रर करता।

मंत्र: ॐ रथमकाय नमः।

8. फदन

महत्व: थुहित और मविसा का प्रततिक

लाभ: सांध्रातछा द्र कररी हे.

मंत्र: ॐ रुस्वाय नमः।

11. इत्र और धूप

महत्व: भत्ति और पविशता का प्रतिक सांसकतनातर

लाभ: ॐ सुगंयाध नमः।

12. गन्नै का रस

महत्व: रृद्धि और सग्पूत्तिस का प्रतिक सगस

मंत्र: ॐ रपणय नमः।

13. केसर जल

महत्व: राजता और समृयित का ग्रतिक

लाभ:

ध्याशत्मक राुश समायदि वतास है.

मंत्रं: ॐ केशवाय नमः।

सुशांत सिंह राजपूत की एआई तस्वीरें रणबीर से बेहतर साबित

फैंस बोले- उनकी शांत और दयालु आंखें राम के किरदार के लिए बिल्कुल सही हैं

नितेश तिवारी निर्देशित और रणबीर कपूर अभिनीत महाकाव्य फिल्म रामायण का नया टीजर हाल ही में जारी हुआ है, जिसमें रणबीर कपूर भगवान राम के रूप में दिख रहे हैं। इस टीजर ने सोशल मीडिया पर जबरदस्त प्रतिक्रिया पैदा की है और दर्शक-भक्त दोनों ही एक साथ इसे देख रहे हैं।

इसी बीच इंटरनेट पर एक एआई-जनित तस्वीरों का सिलसिला वायरल हुआ है, जिसमें दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत को भगवान राम के रूप में दिखाया गया है। एक उपयोगकर्ता ने ये चित्र साझा किए, जिनका शीर्षक था वह ज्यादा बेहतर होते। ये दोनों ही फ्रेम फिल्म के टीजर से लिए गए हैं, लेकिन मूल रूप से रणबीर कपूर के स्थान पर सुशांत की तस्वीरें अकके जरिए जोड़ दी गईं। इन एआई निर्मित चित्रों में सुशांत को दो अलग-अलग दृश्यों में दिखाया गया। जिसमें एक में अयोध्या दरबार की शाही पोशाक पहने और दूसरे में वनवास के दौरान नाव में बैठे हुए। इन पोस्टों के साथ साझा एक गूगल सर्च स्क्रीनशॉट में यह भी बताया गया कि भगवान राम का रंग सांवला था, जो चर्चा का एक और मुद्दा बन गया। सोशल मीडिया यूजर्स ने इन एआई चित्रों पर जोरदार प्रतिक्रिया दी। कई लोगों ने सुशांत की दयालु आंखों और शांत स्वभाव को राम के चरित्र के अनुरूप बताते हुए कहा कि वह इस भूमिका में बेहतर दिखते। कुछ ने लिखा कि सुशांत में वह आध्यात्मिक गहराई और भावनात्मक जुड़ाव है जो भगवान राम बनने के लिए जरूरी होता।

नागिन 7 सीरियल बंद हो सकता है

कमजोर कहानी और एआई के इस्तेमाल से गिरी टीआरपी

एकता कपूर बोलीं- बजट कम है इसलिए सहारा लिया

एकता कपूर का सुपरनैचुरल शो 'नागिन 7' शुरू होने के महज 3 महीने बाद ही बंद हो सकता है। भारी टीआरपी साथ शुरू हुए इस शो की रेटिंग अब लगातार गिर रही है। इसके पीछे कमजोर कहानी और विजुअल इफेक्ट्स में एआई के ज्यादा इस्तेमाल को मुख्य वजह माना जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यह शो जल्द ही बंद हो सकता है। मेकर्स ने 25 दिसंबर 2025 को नागिन 7 का प्रीमियर किया था। शुरूआत में शो को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला और पहले ही एपिसोड ने टीआरपी के पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। शुरूआती दो महीनों तक शो ने अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन इसके बाद कहानी और प्रेजेंटेशन को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी कम होने लगी।

शो में वीएफएक्स की जगह एआई तकनीक के इस्तेमाल ने मेकर्स की मुश्किलें बढ़ा दीं। एकता कपूर ने बजट बचाने के लिए एआई के जरिए विजुअल्स तैयार करवाए, जिसे सोशल मीडिया पर 'सस्ता और खराब' बताकर ट्रोल किया गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एकता ने कहा था कि उनके पास शो के लिए ज्यादा बजट नहीं है, इसलिए वे इस तकनीक का सहारा ले रही हैं। हालांकि, आज की समझदार ऑडियंस और 'जेन-जी' को यह प्रयोग रास नहीं आया।

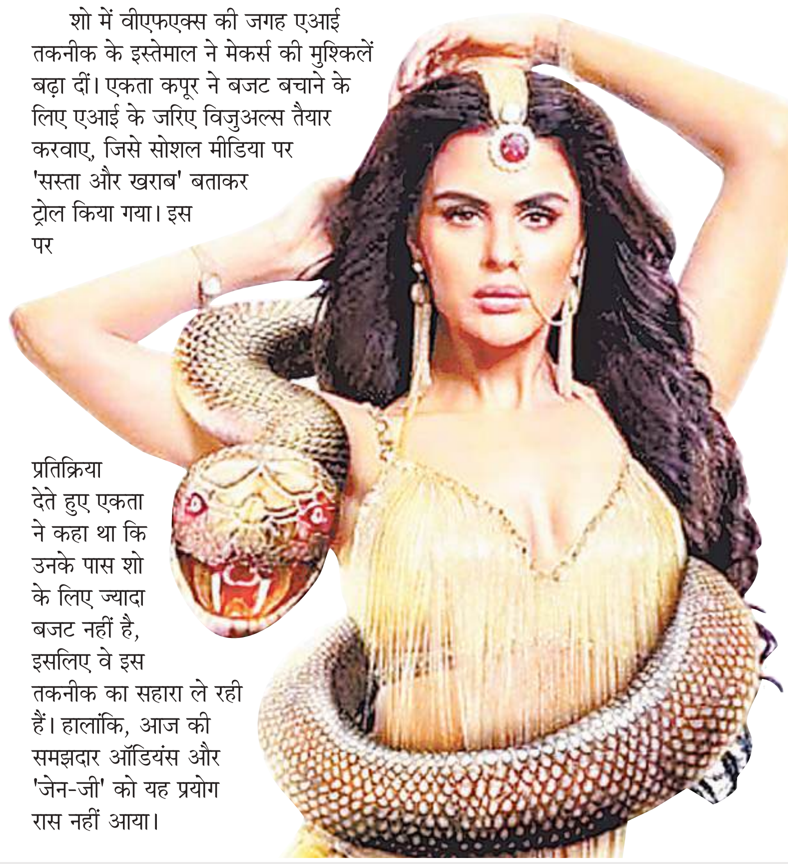

प्रियंका चौधरी की मौनी रॉय से हुई तुलना

- शो की लीड एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी की परफॉर्मेंस भी फैंस की कसौटी पर खरी नहीं उतर पाई। दर्शकों ने सोशल मीडिया पर उनकी तुलना मौनी रॉय और अदा खान जैसे 'नागिन' के पुराने चेहरों से शुरू कर दी। फैंस का मानना है कि मौनी रॉय का इस शो की मेन रोल था और प्रियंका वह जादू पैदा नहीं कर सकीं। इसी नाराजगी का असर टीआरपी पर दिखा और शो टॉप 10 की लिस्ट से बाहर हो गया।
- **क्या सच में बंद होगा शो-** मीडिया रेपोर्ट्स के मुताबिक गिरती रेटिंग के चलते चैनल और मेकर्स इसे बंद करने का मन बना चुके हैं। हालांकि, अभी तक इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। अगर आने वाले दिनों में एकता कपूर कहानी में कोई बड़ा बदलाव करती हैं, तो शायद शो को विस्तार मिल जाए।

यौन उत्पीड़न मामले में मलयालम फिल्म निर्देशक हिरासत में

एक्ट्रेस ने रंजीत बालकृष्णन पर आरोप लगाए, पुलिस जांच में जुटी

मशहूर मलयालम फिल्म निर्देशक रंजीत बालकृष्णन को यौन उत्पीड़न के आरोपों में तीन दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। यह आदेश शनिवार को कोच्चि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पुलिस की याचिका मानते हुए जारी किया। पुलिस की विशेष जांच टीम अब मामले की और गहन जांच करेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला तब उजागर हुआ जब एक अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि रंजीत ने फिल्म शूट के दौरान एक कैरवैन (वैन) के अंदर उनके साथ यौन उत्पीड़न का प्रयास किया। शिकायत के आधार पर 28 मार्च को एफआईआर दर्ज की गई और कोच्चि पुलिस ने उस पर गंभीर आरोपों का मामला बनाया।

पुलिस ने दावा किया कि शुरूआती जांच में आरोप और साक्ष्य पर्याप्त पाए गए, जिसके बाद ही रंजीत को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। कोर्ट ने पुलिस की दलीलों को ध्यान में रखते हुए उन्हें सोमवार शाम तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है, ताकि पूछताछ और सबूत एकत्रण का काम जारी रखा जा सके।

रंजीत का स्वास्थ्य भी अब चर्चा का विषय बन गया है। उनकी वकील टीम ने कोर्ट में दलील दी कि गिरफ्तार करते समय उचित प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ और उनके गंभीर स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों (जैसे लीवर ट्रांसप्लांट और पिछले स्पाइनल सर्जरी) के कारण हिरासत में स्वास्थ्य जोखिम हो सकता है। हालांकि, कोर्ट ने पुलिस हिरासत की अनुमति दी, साथ ही निर्देश दिए कि हर 24 घंटे में उनकी मेडिकल जांच की जाए।

परवीन बाबी को सिगरेट पीते देख डायरेक्टर ने फिल्म दी

शाही परिवार से थीं, 3 लिव-इन रिलेशनशिप रहे, अमिताभ बच्चन को मानती थीं हत्यारा

करीब साढ़े 400 साल पहले पश्तून बाबी वंश मुगल शासक हुमायूं के साथ गुजरात पहुंचा। यह अफगानिस्तान का शाही परिवार था, जो मुगल साम्राज्य का अहम हिस्सा बना और कई रियासतों पर शासन किया। मुगल सत्ता कमजोर होने पर बाबी और मराठा (गायकवाड़ वंश) में जंग हुई, जिसमें मराठाओं ने अधिकांश गुजरात पर कब्जा किया, लेकिन बाबी ने जुनागढ़, राधनपुर और बालासिनोर पर शासन जारी रखा। मोहम्मद महाबत खान-3, जूनागढ़ की रियासत के आखिरी नवाब रहे।

महाबत खान के एक करीबी रिश्तेदार थे वली मोहम्मद खान बाबी। उन्होंने 1940 में जमाल बख्ते बाबी से शादी की। सालों तक उन्हें संतान नहीं हुई। 1947 में ब्रिटिश हुकूमत खत्म होने पर रियासतें खत्म कर सरकारें बनाई जाने लगीं और भारत-पाकिस्तान का बंटवारा हुआ। 15 अगस्त 1947 को आखिरी नवाब महाबत खान ने जूनागढ़ को पाकिस्तान में शामिल करने की घोषणा की, जिस पर लोगों ने आपत्ति जताई। 20 फरवरी 1948 के जनमत में 99% से ज्यादा लोगों ने भारत में शामिल होने का फैसला किया। जब सरकार बनी तो जूनागढ़ के नवाब माहबत के करीबी रिश्तेदार वली मोहम्मद खान की भी रियासत ले ली गई और बदले में उन्हें 100 बीघा जमीन यानी 40 एकड़ (17 लाख 42 हजार वर्ग फुट) दी गई।

- राजशाही खत्म होने के बावजूद वो शाही जिंदगी जीते थे। शादी के 14 साल बाद उनके घर खुशखबरी आई। पत्नी जमाल बख्ते ने जूनागढ़ की शाही हवेली में 4 अप्रैल 1954 को बेटी को जन्म दिया। नाम दिया गया, परवीन सुल्ताना वली मोहम्मद खानजी बाबी।
- वही परवीन बाबी जो हिंदी सिनेमा की मशहूर और टॉप एक्ट्रेसेस में शामिल रहीं। वही परवीन बाबी जो अपने ग्लैमर, वेस्टर्नाइजेशन और समय से आगे चलने वाली सोच के लिए जानी गईं। जब महिलाएं पर्दे पर भी सिगरेट थामने से कतराती थीं, तब परवीन बाबी मिनी स्कर्ट पहनकर सड़कों पर सिगरेट पीते हुए टहला करती थीं। जब डायरेक्टर बी.आर.इशारा ने उन्हें पहली बार देखा, तब उनकी इसी बोल्डनेस के मुरीद हो गए और उन्हें तुरंत फिल्म ऑफर कर दी।
- आज परवीन बाबी की 72वीं बर्थ एनिवर्सरी है। अगर आज वो होतीं, तो अपना 72वां जन्मदिन मनातीं। उनकी जिंदगी के आखिरी दिन बेहद दर्दनाक थे। अकेलेपन की हद ये थी कि जब उनकी मौत हुई तो 4 दिनों तक बॉडी बंद घर में सड़ती रही।

54 कमरों की हवेली में हुई परवरिश, पढ़ाई के लिए शर्त पर घर छोड़ा- शाही परिवार में जन्मीं परवीन बाबी का बचपन जूनागढ़ की 54 कमरों की हवेली में बीता। इकलौती संतान को ऐशोआराम मिला और घर में 6 नौकर थे। 6 साल की उम्र में पिता का कैंसर से निधन हुआ, जिसके बाद वह दीवान चौक की दो मंजिला हवेली में रहने लगीं। शुरूआती पढ़ाई गुजराती मीडियम स्कूल से हुई। 14 साल की उम्र में मां ने उन्हें पढ़ाई के लिए अहमदाबाद भेजा, हालांकि परिवार इसके खिलाफ था। शर्त रखी गई कि जल्दी शादी कराई जाएगी, जिस पर मां मान गईं और उनका दाखिला सेंट जेवियर कॉलेज में हुआ। कॉलेज में कोर्स न होने के बावजूद परवीन बाबी ने खुद फर्राटे दार अंग्रेजी बोलना सीखा। आगे उन्होंने इंग्लिश और साइकोलॉजी में बेचलर डिग्री ली और अंग्रेजी में मास्टर डिग्री। शर्त के अनुसार 15 साल की उम्र में परवीन की सगाई कजिन जमील खान से हुई, जो पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन्स में पायलट थे। 1971 के भारत-पाक युद्ध के बाद मां ने सगाई तोड़ दी और परवीन को इसकी जानकारी पोस्टकार्ड से मिली।

- 1971 में डायरेक्टर बी.आर. इशारा अहमदाबाद में एक नांव दो किनारे की शूटिंग कर रहे थे। भीड़ के बीच उनकी नजर एक लड़की पर पड़ी, जो मिनी स्कर्ट में सिगरेट पी रही थी। लंबी कद-काठी और छरहरे बदन वाली वह लड़की चारमिना सिगरेट थामे हुए थी।
- वह लड़की परवीन बाबी थीं, जिनकी उम्र 17 साल थी। बी.आर. इशारा समझ गए कि वह खास हैं और उन्होंने फोटोग्राफर से उनकी तस्वीरें लेने को कहा। फोटोग्राफर ने तस्वीरें लीं और बी.आर. इशारा ने परवीन को बुलाकर पूछा- फिल्मों में काम करोगी। आमतौर पर कोई भी लड़की तुरंत हामी भर देती, लेकिन परवीन ने कहा, अगर स्क्रिप्ट पसंद आई तो।

आईपीएल 2026 के 9वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस को 6 रन से हराया

बिश्नोई 200 टी-20 विकेट वाले यंगेस्ट इंडियन

बटलर से वैभव-यशस्वी के कैच छूटे, अशोक ने 154 की स्पीड से गेंद फेंकी

ब्रह्मास्त्र ▸▸ अहमदाबाद

आईपीएल 2026 के 9वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने गुजरात टाइटंस को 6 रन से हरा दिया। अहमदाबाद में खेले गए इस मुकाबले में आरआर ने 210 रन बनाए, जबकि जीटी 204 रन ही बना सकी। मैच के दौरान जोस बटलर से वैभव सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल के अहम कैच छूटे। वहीं, गुजरात के अशोक शर्मा ने 154.2 किमी/घंटा की रफ्तार से इस सीजन की सबसे तेज गेंद फेंकी। दूसरी ओर, रवि बिश्नोई ने टी-20 क्रिकेट में अपने 200 विकेट पूरे कर लिए और इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले सबसे युवा भारतीय गेंदबाज बन गए।

साई सुदर्शन ने 42 इनिंग में 15वीं फिफ्टी लगाई- साई सुदर्शन ने आईपीएल में सिर्फ 42 पारियों में अपनी 15वीं फिफ्टी पूरी कर ली। वे इस मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं और केवल क्रिस गेल (41 पारियां) उनसे आगे हैं। सुदर्शन ने शॉन मार्श (43) को पीछे छोड़ते हुए यह उपलब्धि हासिल की।

वैभव के आईपीएल में 30 सिक्स पूरे- वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल में अपने 30 सिक्स पूरे कर लिए। वे 19 साल या उससे कम उम्र में सबसे तेजी से इस आंकड़े तक पहुंचने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने सिर्फ 157 गेंदों में यह मुकाम हासिल किया। ऋषभ पंत और ईशान किशन ने भी 30-30 सिक्स लगाए थे, लेकिन उन्होंने इसके लिए काफी ज्यादा गेंदें खेलीं।

अशोक शर्मा ने इस सीजन की सबसे तेज गेंद फेंकी- गुजरात के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने इस सीजन की सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। उन्होंने राजस्थान के खिलाफ मुकाबले में 154.2 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकी। इस सीजन में इससे पहले सबसे तेज गेंद का रिकॉर्ड एनरिक नॉर्त्या (150.9 किमी/घंटा) के नाम था। हालांकि, आईपीएल इतिहास की सबसे तेज गेंद का रिकॉर्ड अभी भी शॉन टैट के नाम है, जिन्होंने 2011 में 157.71 किमी/घंटा की रफ्तार से गेंद फेंकी थी।

बिश्नोई टी-20 में 200 विकेट लेने वाले सबसे युवा भारतीय बने- रवि बिश्नोई ने गुजरात के ग्लेन फिलिप्स का विकेट लेते ही टी-20 क्रिकेट में अपने 200 विकेट पूरे किए। उन्होंने यह उपलब्धि 25 साल 211 दिन की उम्र में हासिल की और इसी के साथ वह टी-20 में 200 विकेट लेने वाले सबसे युवा भारतीय गेंदबाज बन गए। उन्होंने यह मुकाम अपने करियर के 170वें टी-20 मैच में हासिल किया। बिश्नोई टी-20 में 200 विकेट लेने वाले 19वें भारतीय गेंदबाज बने हैं, जबकि स्पिनर्स की लिस्ट में वह 9वें स्थान पर हैं। हालांकि, ओवरऑल टी-20 क्रिकेट में सबसे कम उम्र में 200 विकेट लेने का रिकॉर्ड राशिद खान के नाम है, जिन्होंने यह उपलब्धि 23 साल 119 दिन की उम्र में हासिल की थी।

वैभव ने चौके से खाता खोला- पारी की शुरूआत में ही वैभव सूर्यवंशी ने चौका लगाकर अपने पहले रन बनाए। मोहम्मद सिराज की लेग स्टंप पर डाली गई लेंथ गेंद को उन्होंने हल्के से ग्लांस करते हुए फाइन लेग की दिशा में चौके के लिए भेज दिया।

बटलर से वैभव और यशस्वी के कैच छूटे - जोस बटलर से वैभव सूर्यवंशी ने यशस्वी जायसवाल का कैच छूट गया। अशोक शर्मा की गेंद पर वैभव सूर्यवंशी ने शॉट खेला, गेंद बल्ले का किनारा लेकर स्लिप की दिशा में गई। बटलर ने फुल लेंथ डाइव लगाकर कैच पकड़ने की कोशिश की, लेकिन गेंद उनके हाथ से छूट गई और चौके के लिए निकल गई। इस जीवनदान का वैभव ने पूरा फायदा उठाया और अगली ही गेंद पर पॉइंट की दिशा में छक्का लगाकर टीम की फिफ्टी पूरी कर दी। इससे पहले यशस्वी जायसवाल को भी जीवनदान मिला था। सिराज की शॉर्ट ऑफ लेंथ गेंद पर यशस्वी ने फ्लिक खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद विकेटकीपर की ओर गई। बटलर ने दाईं ओर डाइव लगाई, लेकिन कैच पकड़ नहीं सके।

जायसवाल की चौके से फिफ्टी- 12वें ओवर में यशस्वी जायसवाल ने चौके से अपना अर्धशतक पूरा किया। मोहम्मद सिराज की ऑफ स्टंप के बाहर डाली गई गेंद पर उन्होंने आगे बढ़कर एक्स्ट्रा कवर की दिशा में शानदार ड्राइव खेला, जो सीधे चौके के लिए चला गया।

रियान ने पहली गेंद पर सिक्स लगाया- रियान पराग ने अपनी पहली ही बॉल पर सिक्स लगा दिया। कगिसो रबाडा की फुल लेंथ गेंद, जो मिडिल और लेग स्टंप पर थी, उस पर पराग ने बॉटम हैंड का इस्तेमाल करते हुए डीप स्क्वायर लेग की दिशा में गेंद को सिक्स के लिए भेज दिया।

आईपीएल में आज दूसरा मैच आरसीबी-चैन्नई

चेन्नई सीजन के अपने दोनों मैच हारी बेंगलुरु के खिलाफ 61% मैच जीते

ब्रह्मास्त्र ▸▸ बेंगलुरु

आईपीएल में आज लगातार दूसरे दिन डबल हेडर खेला जाएगा। दिन का दूसरा और सीजन का 11वां मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच होगा। मैच बेंगलुरु के होम ग्राउंड एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। टॉस 7:00 बजे होगा। इस सीजन बेंगलुरु ने हैदराबाद को हराकर जीत से शुरूआत की थी। वहीं, चेन्नई की टीम दोनों मुकाबले हार चुकी है। पॉइंट्स टेबल में आरसीबी तीसरे स्थान पर है, जबकि सीएसके 10वें नंबर पर है।

दिन का पहला मैच सनराइजर्स हैदराबाद और लखनऊ सुपर जायंट्स के बीच हैदराबाद में दोपहर 3:30 बजे से खेला जाएगा।

बेंगलुरु और चेन्नई के बीच अब तक कुल 36 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें चेन्नई ने 22 मैच जीते हैं, जबकि बेंगलुरु को 13 मुकाबलों में जीत मिली है। दोनों टीमों के बीच एक मैच बेनतीजा भी रहा है। ऐसे में सीएसके ने आरसीबी के खिलाफ 61% मैच जीते हैं। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में दोनों टीमों का 12 बार सामना हुआ है। इसमें बेंगलुरु ने 6 और चेन्नई को 5 मैचों में जीत मिली। एक मैच का रिजल्ट नहीं निकल सका। दोनों ही टीमों के बीच पिछले सीजन दो मुकाबले हुए थे। दोनों ही बेंगलुरु ने अपने नाम किए थे। चेन्नई के बल्लेबाजों ने पिछले मैच में शानदार प्रदर्शन किया। आयुष म्हात्रे ने पंजाब के खिलाफ अर्धशतक जमाते हुए 43 गेंदों में 6 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 73 रन बनाए। कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने 28 रन का योगदान दिया, जबकि सरफराज खान ने सिर्फ 12 गेंदों में तेज 32 रन बनाए।

लोन... लोन... लोन...
श्रीराम फाइनेंस कंपनी
द्वारा लोन लेना हुआ आसान
सभी प्रकार के लोन
आधार कार्ड लोन, बिजनेस लोन,
पर्सनल लोन, होम लोन, वाहन लोन,
महिला ग्रुप लोन 50% छूट)
आसानी से मिलेगा घर बैठे लोन सबसे
कम ब्याज दर पर!
(लोन का पैसा सीधे आपके बैंक खाते में)
हमसे संपर्क करें
मो. 7404467154

सस्ती ईएमआई का इंतजार होगा लंबा

महंगे कच्चे तेल के कारण वेट एंड वॉच की नीति अपना सकता है आरबीआई

ब्रह्मास्त्र ▸▸ तेहरान

पश्चिम एशिया तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच आरबीआई की एमपीसी मीटिंग से क्या उम्मीदें हैं? जानें क्यों ब्याज दरों में कटौती की संभावना इस बार न के बराबर है और महंगाई पर इसका क्या असर होगा।

पश्चिम एशिया के संघर्ष के बीच कच्चे तेल की भड़कती कीमतों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की तस्वीर बदल दी है, जिसका सीधा असर अब घरेलू बाजार पर पड़ने की आशंका है। आगामी मौद्रिक नीति समिति की बैठक में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद लगाए बैठे कर्जदारों को फिलहाल निराशा हाथ लग सकती है। विशेषज्ञों और अर्थशास्त्रियों के अनुसार, विकास की गति और महंगाई के बीच सटीक संतुलन साधने के लिए केंद्रीय बैंक इस बार 'वेट एंड वॉच' की रणनीति अपनाएगा और रेपो रेट को जस का तस बनाए रखेगा।

पश्चिम एशिया के तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच बाजार की निगाहें वित्त वर्ष 2026-27 की पहली द्वि-मासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पर टिक गई हैं, जिसके लिए भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति की बैठक 6 से 8 अप्रैल 2026 तक होगी। इस महत्वपूर्ण बैठक के परिणाम और मुख्य नीतिगत दरों (रेपो रेट) पर रिजर्व बैंक के अंतिम निर्णय की घोषणा 8 अप्रैल 2026 को की जाएगी। विदेशी बाजारों में ब्रेंट क्रूड ऑयल के 55% तक महंगे होने और घरेलू स्तर पर विनिर्माण पीएमआई के चार साल के सबसे निचले स्तर पर आने के कारण रिजर्व बैंक के सामने कई चुनौतियां खड़ी हो गई हैं।

क्या दवाओं पर ट्रंप के 100% टैरिफ से भारत पर भी असर

नए फैसले से कितना प्रभावित होगा फार्मा सेक्टर

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

अमेरिका ने पेटेंटेड दवाओं पर 100% टैरिफ लगाया है, लेकिन भारत की जेनेरिक दवाओं को फिलहाल छूट दी गई है। इससे अभी राहत है, मगर भविष्य में फार्मा सेक्टर पर दबाव बढ़ सकता है। आइए विस्तार से जानते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रीय सुरक्षा और सप्लाई चेन जोखिमों का हवाला देते हुए पेटेंटेड फार्मास्युटिकल उत्पादों के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला किया है। यह निर्णय सेक्शन 232 जांच के बाद लिया गया है, जिसका उद्देश्य दवा आपूर्ति में विदेशी निर्भरता को कम करना है।

जेनेरिक दवाओं को टैरिफ से रखा गया बाहर- हालांकि भारत के लिए राहत की बात यह है कि जेनेरिक दवाओं को फिलहाल इस टैरिफ से बाहर रखा गया है। अमेरिकी प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भारतीय कंपनियों की प्रमुख ताकत माने जाने वाले जेनेरिक ड्रग्स पर अभी कोई शुल्क नहीं लगाया जाएगा। इससे भारत से अमेरिका को होने वाले सस्ते दवाओं के निर्यात पर तत्काल असर नहीं पड़ेगा।

भारत की फार्मा इंडस्ट्री का बड़ा हिस्सा अमेरिकी जेनेरिक बाजार पर निर्भर है और इस छूट से अल्पकाल में स्थिरता बनी रहने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ व्हाइट हाउस अधिकारी के अनुसार, भविष्य में जेनेरिक उत्पादन की स्थिति की समीक्षा कर टैरिफ नीति में बदलाव किया जा सकता है।

भारत के लिए क्या चुनौती- हालांकि, लंबे समय में यह फैसला भारत के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। पेटेंटेड दवाओं और एक्टिव फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट्स पर भारी टैरिफ से वैश्विक सप्लाई चेन प्रभावित हो सकती है, जिसमें भारतीय कंपनियां अहम भूमिका निभाती हैं। खासकर कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरिंग और इंटरमीडिएट सप्लाई के क्षेत्र में इसका असर देखने को मिल सकता है।

कंपनियों को लेकर ट्रंप प्रशासन का क्या रुख- अमेरिकी प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन कंपनियों के पास अमेरिका में उत्पादन शिफ्ट करने की योजना नहीं होगी, उनके भारत से आयातित पेटेंटेड उत्पादों पर 100 प्रतिशत शुल्क लागू होगा। हालांकि, जो कंपनियां उत्पादन अमेरिका में स्थानांतरित करने के लिए प्रतिबद्ध होंगी, उन्हें शुरूआती राहत के तौर पर 20 प्रतिशत टैरिफ दिया जाएगा, जो चार साल में बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगा।

कैसे लागू होगा टैरिफ- यह टैरिफ जुलाई और सितंबर 2026 से चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि वर्तमान में अमेरिका में वितरित लगभग 53 प्रतिशत पेटेंटेड दवाएं विदेशों में बनती हैं, जबकि केवल 15 प्रतिशत अढक्र का उत्पादन घरेलू स्तर पर होता है। ऐसे में किसी वैश्विक संकट की स्थिति में दवाओं की उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। अमेरिका का मानना है कि कैंसर, दुर्लभ बीमारियों और संक्रमण जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में उपयोग होने वाली पेटेंटेड दवाओं के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी है। इसी उद्देश्य से घरेलू उत्पादन और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए यह कदम उठाया गया है।

पश्चिम एशिया में जंग खत्म करने पर ट्रंप का दावा बाजार के लिए कितना अहम? जानिए विशेषज्ञों की राय

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान पर आक्रामक हमले जारी रखने के बयान से वैश्विक बाजारों में हलचल बढ़ गई है। कच्चे तेल की कीमतें तेजी से बढ़कर 100 डॉलर के पार पहुंच गईं। विशेषज्ञों के अनुसार, होर्मुज में सप्लाई बाधित होने से यह बड़ा तेल सप्लाई शॉक बन गया है, जिससे कीमतों में और उतार-चढ़ाव संभव है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यह कहने के बाद कि अमेरिका युद्ध को समाप्त करने की यह समयसीमा तय किए बिना ही ईरान पर आक्रमक रूप से हमला करना जारी रखेगा, जिसके बाद 2 अप्रैल गुरुवार को तेल की कीमतों में तेजी उछाल आया और शेयर बाजारों के सेंटिमेंट एक बार फिर नकरात्मक रूप से बदल गए। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका थोड़े समय में स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को आसानी से खोल सकता है। उन्होंने कहा कि आगे ईरान के पावर प्लांट पर भी हमला किया जा सकता है।

भारत में वैश्विक तेल कीमतों के अनुरूप, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमएसीएक्स) पर तेल की कीमतें शुक्रवार को आठ प्रतिशत तक बढ़कर करीब 109 डॉलर प्रति बैरल हो गई। बाजार के विशेषज्ञों ने कहा ट्रंप का यह फैसला कच्चे तेल कीमतों को बढ़ाएगा साथ ही शॉर्ट टर्म के लिए बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है। जानकार यह भी कह रहे हैं, कि राष्ट्रपति ट्रंप अपने बयानों को बदलते रहते है, इसलिए बाजार और निवेशक अधिक चिंतित हैं।

मार्केट का माहौल फिर से नकरात्मक हो रहा- जियोजित इंवेस्टमेंट लिमिटेड के मुख्य निवेशक रणनीति डॉ. वीके विजयकुमार कहते है, राष्ट्रपति ट्रंप के इस एलान के साथ कि ₹हम अगले दो से तीन हफ्तों में ईरान पर बहुत बुरा असर डालेंगे₹ मार्केट का माहौल फिर से नकरात्मक हो गया है। कच्चा तेल लगभग पांच प्रतिशत बढ़कर 105 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है और अमेरिका की 10-ईयर बॉन्ड यील्ड फिर से बढ़कर 4.36 प्रतिशत हो गई है। जिससे सोने और चांदी की कीमतों पर थोड़ बहुत असर हुआ है।

एफपीआई ने भारी बिकवाली जारी रखी - इसी बीच विदेशी संस्थागत निवेशक (एफपीआई) ने भारी बिकवाली जारी रखी है और 1 अप्रैल को 8331 करोड़ रुपये की बिक्री भारतीय शेयर बाजारों से की है। वे कहते हैं, कच्चे तेल की ऊंची कीमत, बढ़ता व्यापार घाटा बढ़ाने, रेमिटेंस में कमी का डर में वृद्धि और एफपीआई की लगातार बिकवाली, ये सब मिलकर रुपये पर भारी दबाव डाल रहे हैं, जो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के डॉलर फ्यूचर्स डील्स पर रोक लगाने के फैसलों के बावजूद गिरता जा रहा है। विजयकुमार कहा, राष्ट्रपति ट्रंप का यह बायान कि हम दो से तीन हफ्तो में काम पूरा कर लेंगे को सच नहीं माना जा सकता क्योंकि राष्ट्रपति अपने सभी विचारों में हमेशा एक जैसे नहीं रहे हैं, वे कभी भी अपनी बयानों को बदल सकते हैं। इसलिए निवेशक और बाजार अधिक चिंता में हैं।

शॉर्ट टर्म के लिए बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना- एलारा कैपिटल रिसर्च की उपाध्यक्ष व इकोनॉमिस्ट गरिमा कपूर बताती है कि ट्रंप ने पश्चिम एशियाई संकट के जल्द समाप्त होने के संकेत तो दे दिए हैं, लेकिन अगले दो से तीन हफ्तो में तनाव काफी बढ़ने की संभावना है, क्योंकि ट्रंप के निशाने पर ईरानी पावर और क्रूड फैसिलिटी हैं। अमेरिका का फोकस शासन बदलने और होर्मुज को खोलने से हट गया है। इन सबके बीच दो से तीन हफ्ते युद्ध जारी रखने की घोषणा ने कच्चे तेल कीमतों में अस्थिरता बनी रहेगी साथ शॉर्ट टर्म के लिए बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है।

वॉल्यूम के हिसाब से यह इतिहास का सबसे बड़ी तेल सप्लाई शॉक- एचडीएफसी सिक्योरिटीज के प्रमुख रिसर्च के हेड देवर्ष वकील ने बताया कि, ट्रंप के भाषण की वजह से कच्चा तेल की कीमतें 5 प्रतिशत तक बढ़ गईं। ट्रंप ने एनर्जी और वैश्विक बाजार पर भी कड़ा रुख अपनाया और बात पर जोर दिया कि अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने का बोझ नहीं उठाएगा और कहा कि अमेरिकी ताकत ने एक महीने की लड़ाई के बाद ईरान को कमजोर हालत में डाल दिया है। देवर्ष कहते हैं, ट्रंप ने युद्ध समाप्त करने की कोई तय समयसीमा नहीं बताई है, जिसकी वजह से कीमतें और बढ़ गई हैं। मौजूदा समय में होर्मुज बंद है, जिससे हर दिन लगभग 10 से 15 मिलियन बैरल सप्लाई में रुकावट आ रही है। वॉल्यूम के हिसाब से यह इतिहास का सबसे बड़ी तेल सप्लाई शॉक है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत को रूस का साथ

कच्चे तेल और एलएनजी की आपूर्ति बढ़ाने की पेशकश

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को ब्लॉक करने से वैश्विक ऊर्जा बाजार में आए संकट के बीच रूस ने भारत को कच्चे तेल और एलएनजी आपूर्ति बढ़ाने की पेशकश की है। भारत-रूस व्यापार और ऊर्जा नीतियों पर पूरी खबर जानने के लिए अभी पढ़ें।

वैश्विक ऊर्जा बाजार में पश्चिम एशिया संकट के कारण भारी उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। ईरान की आरे से फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित महत्वपूर्ण व्यापारिक मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य को लगभग ब्लॉक कर दिए जाने से वैश्विक तेल और गैस की कीमतों में तेज उछाल आया है। इस रास्ते से दुनिया के कुल कच्चे तेल और एलएनजी व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। चूंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर पश्चिम एशिया पर निर्भर रहा है, इसलिए इस संकट का सीधा असर भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ रहा है। इस चुनौतीपूर्ण समय में रूस ने एक रणनीतिक कदम उठाते हुए भारत को कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बढ़ाने की पेशकश की है।

उच्च स्तरीय बैठकें और ऊर्जा सुरक्षा पर जोर- रूस के प्रथम उप प्रधान मंत्री डेनिस मंटुरोव ने नई दिल्ली के अपने दौरे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इसके अलावा, उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ भी ऊर्जा सहयोग पर विस्तृत चर्चा की। रूस की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में द्विपक्षीय तेल और गैस क्षेत्र के सहयोग पर विशेष ध्यान दिया गया है। डेनिस मंटुरोव ने स्पष्ट किया कि रूसी कंपनियों के पास भारतीय बाजार के लिए तेल और एलएनजी की आपूर्ति को स्थिर और निरंतर रूप से बढ़ाने की पूरी क्षमता मौजूद है। इस दौरे में दोनों पक्षों ने पिछले साल दिसंबर में आयोजित 23वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के परिणामों की भी समीक्षा की। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों ने एक मजबूत आर्थिक साझेदारी बनाने के लिए पांच साल का रोडमैप तैयार किया था, जिसका लक्ष्य 2030 तक वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है।

भारत-रूस व्यापार और सेक्टोरल इम्पैक्ट

विदेश मंत्री एस जयशंकर और डेनिस मंटुरोव की सह-अध्यक्षता में भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग की बैठक में व्यापार, निवेश और औद्योगिक सहयोग को बढ़ाने पर भी मंथन किया गया। इस बैठक के प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं:

उर्वरक आपूर्तिः मंटुरोव ने बताया कि 2025 के अंत तक रूस ने भारत को उर्वरकों की आपूर्ति में 40 प्रतिशत का इजाफा किया है और वह भारत की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए भी पूरी तरह तैयार है।

नए व्यापारिक अवसरः विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच व्यापार, उद्योग और कनेक्टिविटी के साथ-साथ तकनीक, इनोवेशन और क्रिटिकल मिनरल्स जैसे नए क्षेत्रों पर भी व्यापक चर्चा हुई।

नागरिक परमाणु ऊर्जाः मंटुरोव ने जोर देकर कहा कि रूस भारत के साथ नागरिक परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग को गहरा करने की महत्वपूर्ण संभावनाएं देखता है।

टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने चेताया

पश्चिम एशिया संकट से बढ़ेगी आपूर्ति शृंखला की चुनौती और लागत

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण टाटा ग्रुप के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने अधिकारियों को सप्लाई चेन और लागत बढ़ने की चेतावनी दी है। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच टाटा समूह के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने समूह के शीर्ष अधिकारियों को एक चुनौतीपूर्ण कारोबारी माहौल के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है। गुरुवार को समूह की कंपनियों के 30 से अधिक मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और प्रबंध निदेशकों की बैठक हुई। इस उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में चंद्रशेखरन ने मौजूदा संकट के संभावित परिणामों को देखते हुए संचालन के स्तर पर तैयारियों की जरूरत पर बल दिया।

चंद्रशेखरन ने बताया कि पश्चिम एशिया में चल रही उथल-पुथल दुनिया की आपूर्ति शृंखला को बुरी तरह प्रभावित कर रही है और इसके कारण लागत में वृद्धि हो रही है। उन्होंने अधिकारियों को मांग में संभावित मंदी और विभिन्न परियोजनाओं में होने वाली देरी के प्रति आगाह किया। बैठक के दौरान यह बात सामने आई कि कमोडिटी की बढ़ती कीमतें और सप्लाई चेन की बाधाएं मांग पर भारी पड़ सकती हैं। इसके असर से परिचालन लागत बढ़ेगी और मुनाफे पर दबाव पड़ेगा। कई व्यवसायों के लिए, इसका मतलब यह हो सकता है कि उत्पादन का स्तर उनकी स्थापित क्षमता से कम रह जाए। इस संकट के प्रभाव को कम करने के लिए चंद्रशेखरन ने कंपनियों को वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। इसके प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैंः

नकदी और तरलता का प्रबंधनः कंपनियों को नकदी बचाने और तरलता को समझदारी से प्रबंधित करने पर विशेष जोर देने के लिए कहा गया है। साथ ही, नए और चल रहे प्रोजेक्ट्स की टाइमलाइन का पुनर्मूल्यांकन करने की सलाह दी गई है।

लागत अनुकूलनः स्पष्ट लक्ष्यों के साथ लागत में कटौती के प्रोग्राम लागू करने का आह्वान किया गया है। तेल की कीमतों, मुद्रा की चाल और लॉजिस्टिक्स की लागत में वृद्धि के कारण यह कदम आवश्यक हो गया है।

ॐ सनातन धर्म के सोलह संस्कार
(16 Sanskar of Hindu Dharma)

गर्भाधान संस्कार
संतान प्राप्ति हेतु शुद्ध भाव व संकल्प

पुंसवन संस्कार
गर्भस्थ शिशु के स्वास्थ्य व संरक्षण हेतु

सीमन्तोन्नयन संस्कार
गर्भवती माता की मानसिक एवं शारीरिक शांति हेतु

जातकर्म संस्कार
शिशु के जन्म के समय किया जाने वाला संस्कार

नामकरण संस्कार
शिशु का शुभ नामकरण

निष्क्रमण संस्कार
शिशु को प्रथम बार घर से बाहर ले जाना

अन्नप्राशन संस्कार
शिशु को प्रथम बार अन्न ग्रहण कराना

चूड़ाकर्म (मुंडन) संस्कार
बालों का प्रथम संस्कार

कर्णवेध संस्कार
कान छेदन संस्कार

उपनयन संस्कार
विद्या आरंभ एवं ब्रह्मचर्य का प्रवेश

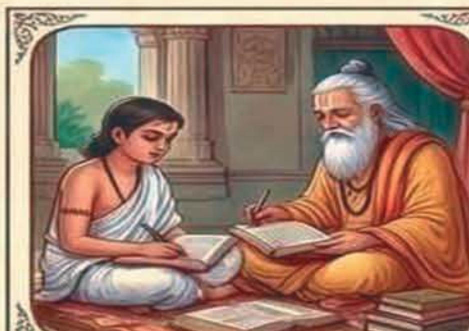

वेदारंभ संस्कार
वेद एवं शास्त्र अध्ययन का प्रारंभ

समावर्तन संस्कार
शिक्षा पूर्ण कर गृहस्थ जीवन की तैयारी

विवाह संस्कार
धर्मपूर्वक गृहस्थ जीवन का आरंभ

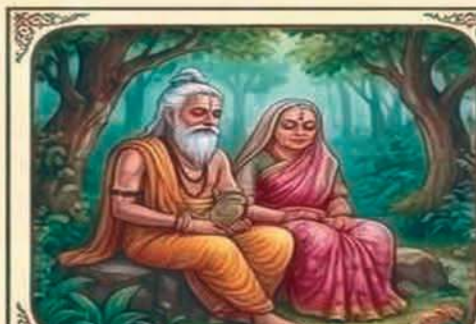

वानप्रस्थ संस्कार
सांसारिक मोह से धीरे-धीरे विरक्ति

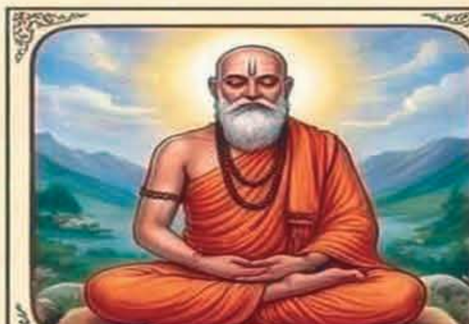

संन्यास संस्कार
पूर्ण वैराग्य व मोक्ष मार्ग की ओर गमन

अंत्येष्टि संस्कार
देह त्याग के पश्चात अंतिम संस्कार

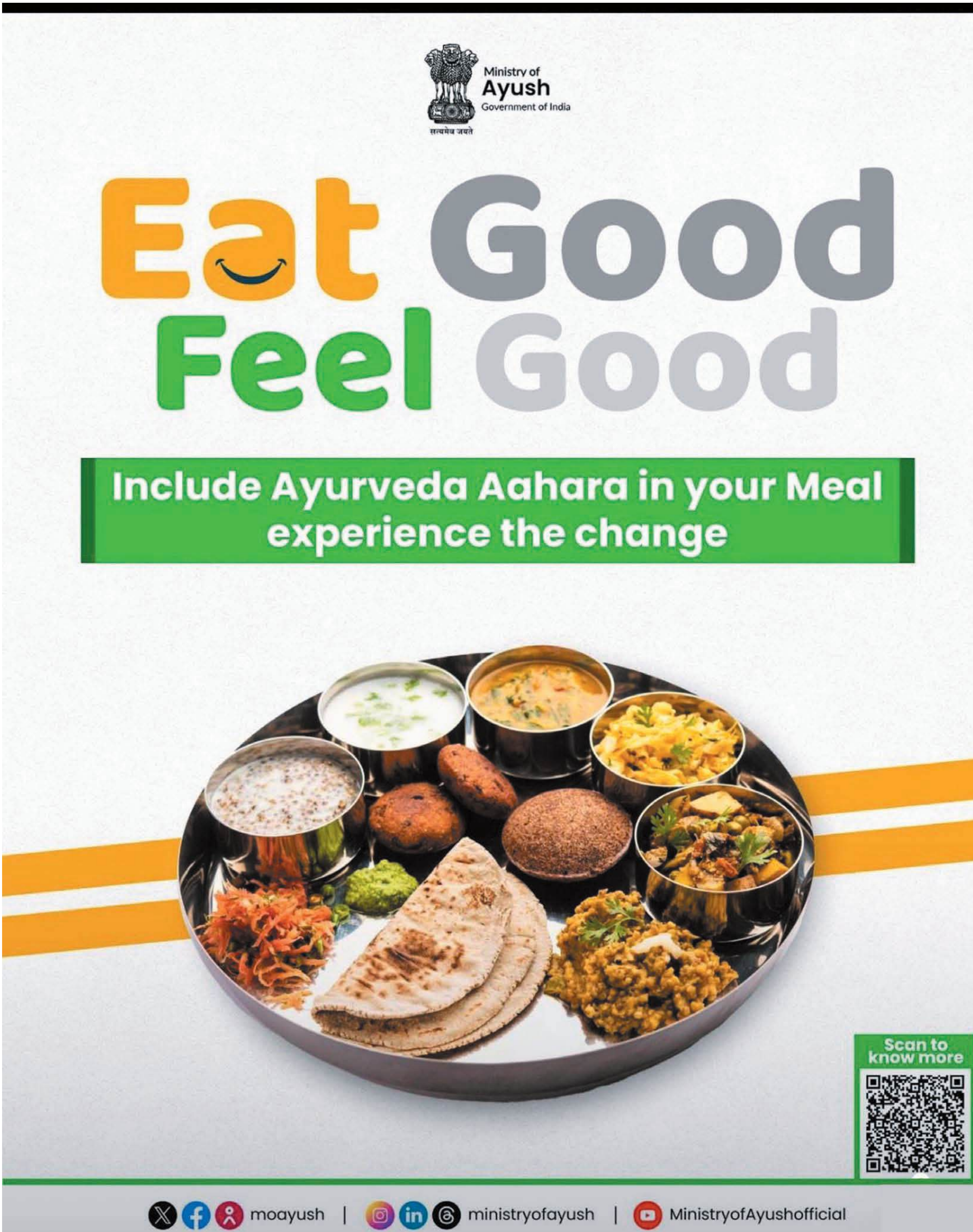
Ministry of
Ayush
Government of India
सत्यमेव जयते
Eat Good
Feel Good
Include Ayurveda Aahara in your Meal
experience the change
Scan to
know more
moayush | ministryofayush | MinistryofAyushofficial

स्वदेशी जागरण मंच

स्वावलंबी भारत अभियान

MySBA

स्वदेशी - विदेशी वस्तुओं की सूची

वस्तु	स्वदेशी उत्पाद का प्रयोग करें	विदेशी उत्पाद का - बहिष्कार करें
नहाने का साबुन	संतूर, निरमा, स्वास्तिक, मैसूर सैंडल, विप्रो, शिकाकाई, मेडिमिक्स, गंगा, सिंथाल, मार्गो, पतंजलि तथा लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	लक्स, लिरिल, लाईफबॉय, पियर्स, रेक्सोना, हमाम, जय, मोती, कैमे, डव, पॉण्डस, पॉमोलिव, जॉनसन, क्लीयरसील, डेटाल, लेसांसी, जासमीन, गास्टमिस्ट, लैक्मे, एम्वे, क्वॉटम, मोर्गो
कपड़े धोने का साबुन	घड़ी, निरमा, विमल, पतंजलि, हीपोलीन, टी-सीरिज, डेट, फेना, उजाला, शुद्ध, ईजी, जेंटिल, 555, बॉबी तथा लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	सनलाईट, व्हील, एरियल, चेक, डबल, ट्रीलो, 501, ओके, की-रिबिल, एम्वे, क्वॉटम, सर्फ एक्सल, रिन, रिम बार, रॉबिन ब्लू और हिन्दूस्थान लिवर के अन्य उत्पादन
सौन्दर्य प्रसाधन औषधि	पार्क एवेन्यू, टिप्स एण्ड टोज, श्रृंगार, पतंजलि, सिंथॉल, संतूर, इमामी, खादी, बोरोप्लस, तुलसी, विको टर्मरिक, अर्निका, डाबर, हेयर एण्ड केयर, हिमानी, पैराशूट, फेम, केडिला, फ्रंको, अपका, खण्डेलवाल, टोरंट फार्मा, युनिकेम, झंडु फार्मा, महर्षि आयुर्वेद, बलसारा, डाबर, बैद्यनाथ, भास्कर, बोरोलीन, बजाज सेवाश्रम, कोकोराज, मूव, तथा लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	जॉनसन, पॉण्डस्, ओल्ड, क्लियरसील, ब्रिलक्रिम, फेयरल एण्ड लवली, वेलवेट, मेडिकेयर, लेवेंडर, नायसील, शॉवर टू शॉवर, क्लूटीकूरा, लिरील, डेनिम, ऑरगनिक्स, रुट्स, पेंटिन, हेड एण्ड शोल्डर, एमवे, क्लिनिक, कोको केयर, नवरटिस, क्रेक क्रीम
टूथपेस्ट, दन्त मंजन, टूथब्रश	बबूल, प्रॉमिस, वीको, एंकर, डाबर, पतंजलि, अजय, अजंता, गरवारे, ब्रश क्लासिक, ईगल, बैद्यनाथ, लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	कोलगेट, सिबाका, क्लोजप, पेस्टोडेंट, एमवे, क्वॉटम, एक्वाफ्रेश, नीम, ओरल-बी, फोरहंस, सीग्नल, मॅकलिंस
दाढ़ी बनाने का साबुन ब्लेड्स	गोदरेज, इमामी, सुपर, सुपरमैक्स, अशोक, वी-जॉन, पतंजलि, टोपाज, प्रीमियम, पार्क एवेन्यू, लेझर, विद्युत, जे.के. तथा लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	पॉमोलिव, ओल्ड स्पाईस, निविया, पॉण्डस्, प्लेटिनम, जिलेट, सेवेन ओ क्लॉक, विलमेन, विलटेज, अरस्मिक, रिस्स, लेकमे, डेनिम
बिस्कीट चॉकलेट, दुग्ध उत्पाद, ब्रेड	वचन, गाया, देवभोग, न्यूट्रीन, अमूल, ब्रिटानिया, पतंजलि, चैम्पियन, ॲम्प्रो, पारले, साठे, बेकमन, प्रिया गोल्ड, मोनैको, गिट्स, पैरी, रावलगांम, क्लासिक, इंडाना, सफल, तथा लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	नेस्ले, केडबरी, बोर्नविटा, हॉरलिक्स, बुस्ट, मिल्क मेड, किसान, मैगी, फैरेक्स, अनिकस्प्रे, कॉम्प्लान, किटकैट, चार्ज, एक्लेअर, मॉडर्न ब्रेड, माल्टोवा, व्हिवा, माइलो
चाय - कॉफी	टाटा, वाघबकरी, गिरनार, आसाम टी, सोसायटी, डंकन, ब्रह्मपुत्र, तेज, लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	बुकब्रांड, ताजमहल, रेडलेबल, डायमंड, लिपटन, ग्रीनलेबल, टाइगर, नेसकैफे, नेसले, डेल्टा, ब्रू, सनराईज, थ्री फ्लॉवर्स
शीतलपेय, शर्बत चटनी, अचार मुरब्बा	पोपट, मौसाजी, ओन्जुम, जैम्पिन, हल्दीराम, हमदर्द, मैप्रो, गुरुजी, फ्रूटी, गोकुल, बीकानेर, वेकफील्ड, मोगा, प्रिया, अशोक मदर्स रेसेपी तथा लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	लहर, पेप्सी, सेवनअप, मिरिंडा टीम, कोका कोला, मॅकडोनाल्ड, मॅगोला, गोल्ड स्पाट, लिमका, थम्सअप, स्प्राईट, डक्यूस, फैण्टा, कैडबरी
आईस्क्रीम	कैप्स, अरूण, दिनशॉं, सेलेस्टी, अमूल, नेचूरल्स, हिमालय, निरुला, वाडीलाल, क्रीमवेल, मदर डेयरी	कैडबरी, डॉलाप, नाईस, बुकब्राड के उत्पादन, क्वालिटी, वॉल्स, बास्किन-रॉबिन्स, यांकि डयूडल्स
खाद्य तेल खाद्य पदार्थ	कमल, सर्वोत्तम, मारुति, पोस्टमेन, धारा, गिन्नी, स्वीकार, रथ, विजया, सपन, पॅराशूट, अशोक, सफोला, कोहिनूर, मधुर, इंजन, गगन, अमृत वनस्पति, रामदेव, एम.डी.एच., एवरेस्ट, बेडेकर, सहकार, लिज्जत, गणेश, शक्तिभोग आटा, टाटा तथा लघु उद्योग के अन्य स्थानीय उत्पादन	डालडा, क्रिस्टल, लिप्टन, अन्नपूर्णा नमक-आटा और चपाती, मैगी, किसान, बुकब्रॉण्ड, कैप्टनकुक नमक और आटा, मॉर्डन चपाती, कारगिल आटा
तैयार कपड़े	मफतलाल, रेमण्ड, पिटर इंलैण्ड, ट्रेंड, केम्ब्रिज, डबल बुल, झड़ियो, अरविंद, डेनिम, प्रोलिन, टीटी, अमूल, बीआईपी, रूपा, पार्क एवेन्यू, न्यूपोर्ट, किलर, फ्लाईंग मशील, ड्यूक्स, कोलकाता बाजार, लूधियाना, एवं अन्य स्थानीय होजरी के उत्पादन	ली के सभी उत्पाद, बर्लिगन, लकोस्टे, सॅनफिस्को, कलरप्लस, व्हॅन हुसेन, लुई फिलिप, लेविस, पेप जीन्स, रैंगलर, बेनेटोन, रीड एण्ड टेलर, बायफोर्ड
कम्प्युटर, लैपटॉप एवं उपकरण	एच.सी.एल, सेनिथ, विप्रो, सहारा, इनटैक्स, चिराग, एमकेट, मोसरबेयर, बीपीएल, अजन्ता, टीवीएस	तोशिबा, सेमसंग, एलजी, लेनोवा, सोनी, ऐसर, एचपी, केनन, शार्प, एसुस, डेल, सनडिक्स, नेक, फिलिप्स

12 ज्योतिर्लिंग
भगवान शिव के पवित्र धाम
मल्लिकार्जुन
(आंध्र प्रदेश)
श्रीशैलम पर्वत पर।
केदारनाथ
(उत्तराखंड)
हिमालय, रुद्रप्रयाग।
सोमनाथ
(गुजरात)
प्रथम ज्योतिर्लिंग, सौराष्ट्र, सागर किनारे।
काशी विश्वनाथ
(उत्तर प्रदेश)
वाराणसी, गंगा किनारे।
ओंकारेश्वर
(मध्य प्रदेश)
खंडवा, नर्मदा तट।
नागेश्वर
(मुगारात)
द्वारका के पास।
बैद्यनाथ
(झारखंड)
देवघर, रावण से जुड़ा।
भीमाशंकर
(महाराष्ट्र)
पुणे के पास, सह्याद्री।
त्र्यंबकेश्वर
(महाराष्ट्र)
नासिक, गोदावरी उद्गम।
महाकालेश्वर
(मध्य प्रढेक्ष)
उज्जेन, दक्षिणमुखी।
रामेश्वरम
(तमिलनाडु)
सेतु तट, राम द्वारा स्थापित।
घृष्णेश्वर
(घहाराष्ट्र)
एलोरा गुफाओं के पास।

■ वर्ष-12 अंक-151 मूल्य- 2 रु. मध्यप्रदेश | छत्तीसगढ़ | गुजरात | महाराष्ट्र | राजस्थान | उत्तरप्रदेश | उत्तरांचल मालवा डिवीजन 402/2024-2026 आर एन आई क्रमांक 2013/57651

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

दैनिक ब्रह्मास्त्र

उज्जैन, रविवासरः 05 अप्रैल, 2026

सुभाषितानि

मानं हित्वा प्रियो भवति। क्रोधं हित्वा न सोचति।।
कामं हित्वा अर्थवान् भवति। लोभं हित्वा सुखी भवेत्।।

भावार्थ : अहंकार का त्याग करने से मनुष्य प्रिय हो जाता है, क्रोध एक ऐसी चीज है जो किसी का हित नहीं सोचता। काम का त्याग करने से व्यक्ति धनवान बनता है और लोभ का त्याग करने से सुखी होता है।

क्रोधो मूलमनर्थानां क्रोधः संसारबन्धनम्।
धर्मक्षयकरः क्रोधः तस्मात् क्रोधं विवर्जयेत्।।

भावार्थ : क्रोध सभी विपत्तियों का मूल कारण है, क्रोध सांसारिक बंधन का कारण है, क्रोध धर्म का नाश करने वाला है, इसलिए क्रोध का त्याग करें।

सम्पादकीयम्

भारत कच्चा तेल

भारते होर्मुजसंकटस्य प्रभावः : डॉलरस्य विरुद्धं रुप्यकस्य क्षयः महंगाईयाः जोखिमः वर्धते पश्चिम एशियायां प्रचलति तनावानां मध्ये वैश्विकं कच्चे तेलस्य मूल्यं प्रति बैरल् १०० डॉलरं यावत् वर्धितम् अस्ति। एतेन भारतीयरूप्यके प्रत्यक्षः प्रभावः भवति। कच्चे तेलस्य मूल्येषु वृद्धिः विस्तारितस्य चालूलेखाघातस्य जोखिमं वर्धयति, यत् क्रमेण मुद्रायाः मूल्ये अवमूल्यनं जनयति रुप्यकस्य मूल्यं अमेरिकीडॉलरस्य विरुद्धं ९२.३५ इति अभिलेखनिम्नतमं स्तरं स्पृशति स्म, ततः पूर्वं व्यापारसत्रस्य अन्ते सीमान्तरूपेण पुनः उत्थापनं जातम्। इरान्-सम्बद्धेन द्वन्द्वेन चालितं कच्चे तेलस्य मूल्यं पुनः १०० डॉलर-प्रति-बैरल्-अङ्कं प्रति आरोहणं कृत्वा रुप्यकस्य उपरि दबावः तीव्रः अभवत् भारतं कच्चे तैलस्य आवश्यकतायाः प्रायः ८०% आयातं करोति। एतेषु मूल्येषु वृद्धया चालू खाताघातस्य विस्तारस्य सम्भावना वर्धते, तस्मात् मुद्रायाः मूल्यं क्षीणं भवति। भग्नाः आशाः : होर्मुज् जलसन्धिद्वारा जहाजयानयानयानयानस्य यातायातस्य - विश्वस्य २०% कच्चे तैलस्य आपूर्तिः, भारतस्य ४०% आपूर्तिः च-नाली - प्रायः स्थगितम् अस्ति होर्मुज् जलसन्धिमार्गेण गच्छन्तीनां जहाजानां उपरि इराणस्य आक्रमणानां वर्धमानस्य कारणेन कच्चे तेलस्य मूल्येषु नूतनः उदयः अभवत्। वर्धमानः महङ्गानि : भारतस्य तैल-गैस-आपूर्तिः मुख्यतया आयातेषु निर्भरं भवति इति कारणतः रुप्यकस्य दबावस्य सामना करणं निश्चितम् अस्ति। एषा स्थितिः देशस्य।

एआइ मार्गेण परिवर्तनं कुर्वन् भारतीयसिनेमाः

न्यूनलाभेन निर्मिताः चलच्चित्राः तथापि प्रमुखाः प्रश्नाः उत्पद्यन्ते

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नव देहली

भारतीयचलच्चित्रक्षेत्रे परिवर्तनस्य प्रमुखः चरणः प्रचलति, यत्र कृत्रिमबुद्धिः चलच्चित्रनिर्माणस्य सम्पूर्णप्रक्रियायाः पुनः परिभाषां कर्तुं आरब्धा अस्ति। अधुना कैमरा, भौतिकसेट्, विशालनिर्माण-एककाः च कोडिंग्-प्रयोगशालाभिः, डिजिटल-स्टूडियोभिः च प्रतिस्थापिताः सन्ति, यत्र अधिकवेगेन, महत्त्वपूर्णतया न्यूनव्ययेन च चलच्चित्राणि, जालश्रृङ्खलानि च निर्मीयन्ते

बेङ्गलूरु-नगरस्य सामूहिककलाकारजालस्य एआइ-स्टूडियो-अस्य परिवर्तनस्य प्रमुखं उदाहरणं रूपेण उद्धृतम् अस्ति। अत्र चलच्चित्रनिमातारः पौराणिककथानां आधारेण सामग्रीं निमातुं एआइ इत्यस्य उपयोगं कुर्वन्ति। रामायण, महाभारत इत्यादिमहाकाव्येभ्यः आकृष्टानि दृश्यानि डिजिटलरूपेण जीवन्तं क्रियन्ते-यत्र भगवान् हनुमानः पर्वतम् उत्थापयन् उड्डीयमानः इत्यादीनां उदाहरणानां चित्रणं भवति, अथवा गन्धरी इत्यादीनां पात्राणां चित्रणं सर्वथा नवीनं नवीनं च प्रकारेण भवति।

भारतं विश्वस्य बृहत्तमः चलच्चित्रनिमार्ता इति भेदं धारयति; तथापि प्रेक्षकाणां परिवर्तनशीलानाम् आदतयः, ओटीटी-मञ्चानां वर्धमानः प्रभावः च पारम्परिकचलच्चित्रनिर्माणपद्धतीनां दबावे वर्धमानः अस्ति। आँकडानुसारं २०१९ तमे वर्षे १.०३ अरबदर्शकानां चलच्चित्रस्य उपस्थितिः २०२५ तमे वर्षे ८३२ मिलियनं यावत् न्यूनीभूता अस्ति यद्यपि बक्स् आफिस-सङ्ग्रहाः अभिलेख-उच्चतां स्पृशन्ति तथापि एषा सफलता बहुधा चयनित-कतिपयेषु ब्लॉकबस्टर-चलच्चित्रेषु उच्चमूल्यकटिकटेषु च निर्भरं कृतवती अस्ति

अस्मिन् सन्दर्भे एआइ चलच्चित्रक्षेत्रस्य महत्त्वपूर्णसमाधानरूपेण उद्धृतः अस्ति। विशेषज्ञाः सूचयन्ति यत् एआइ-इत्यस्य उपयोगेन पारम्परिकपद्धत्या व्ययस्य पञ्चमांशं यावत् चलच्चित्रनिर्माणव्ययः न्यूनीकर्तुं शक्यते, तत्सहकालं च मानककालस्य केवलं चतुर्थांशपर्यन्तं उत्पादनसमयः न्यूनीकर्तुं शक्यते फलतः अधुना स्टूडियोजः अल्पकालान्तरे अधिकमात्रायां सामग्रीं जनयितुं समर्थाः सन्ति। भारते एआइ-प्रयोगः केवलं चलच्चित्रनिमार्णे एव सीमितः नास्ति। एआइ-सञ्चालितस्य डबिंग् इत्यस्य उपयोगः अधुना बहुभाषासु चलच्चित्रं विमोचयितुं क्रियते, येन विविधक्षेत्रीयविपण्येषु प्रेक्षकाणां कृते सुलभतया प्रवेशः भवति बेङ्गलूरुनगरस्य एआइ-कम्पनी न्यूरलगैरेज् इत्यनेन एतादृशी प्रौद्योगिकी विकसिता यत् स्वयमेव कस्यचित् पात्रस्य अधरस्य गतिः, मुखस्य भावः च परिवर्तयति यत् भाषमाणायाः विशिष्टभाषायाः अनुरूपं भवति यशराज फिल्म्स् इति प्रमुखेन बैनरेण निर्मितेषु चलच्चित्रेषु एतस्य प्रौद्योगिक्याः।

अस्यैव अभियानस्य

अतिक्रमणानि दूरीकर्तुं कार्याणि अपि कृताः

ब्रह्मास्त्र ▸▸ नव देहली

सार्वजनिकमार्गेषु अतिक्रमणं कस्यापि परिस्थितौ न सह्यते, भविष्ये च एतादृशाः प्रवर्तनकार्याणि अनिवृत्तानि भविष्यन्ति। अस्यैव अभियानस्य भागत्वेन छोटीरेखारेलमार्गपारात्-बन्दरियातिराहामार्गेण-ग्वारीघाटपर्यन्तं रेलस्थानकं यावत् विस्तृते मार्गे अतिक्रमणानि दूरीकर्तुं कार्याणि अपि कृताः एतेन उपक्रमेण नगरस्य प्रमुखमार्गेषु यातायातप्रबन्धने लक्षणीयः सुधारः अभवत्। एतेषां मागार्नाम् स्वच्छतायाः कारणात् दैनिकयात्रिकाणां महती राहतः भविष्यति इति प्रशासनस्य मतम्। अतिक्रमणानां निष्कासनस्य पार्श्वे प्रशासनेन मानवीयपक्षस्य अपि यथायोग्यं विचारः कृतः अस्ति। मदनमहलपर्वतप्रदेशे प्रचलति संरक्षणप्रयासानां भागत्वेन तत्र निवसतां परिवाराणां व्यवस्थितरूपेण स्थानान्तरणं क्रियते। अस्मिन् सन्दर्भे तेवरक्षेत्रे २४ परिवाराः सम्मानपूर्वकं पुनः निवेशिताः सन्ति। प्रशासनं प्रतिपादयति यत् स्थानान्तरणप्रक्रिया अत्यन्तं संवेदनशीलतया क्रियते यत् प्रभावितपरिवारानाम् अनुचितकष्टस्य सामना न भवति इति सुनिश्चितं भवति।

नगरनिगमस्य अतिक्रमणपदाधिकारी मनीष ताडसे इत्यनेन उक्तं यत् एतत् अभियानं नगरं स्वच्छं, व्यवस्थितं, सुसंगठितं च कर्तुं महत्त्वपूर्णं कदमम् अस्ति। सः नागरिकेभ्यः व्यापारिभ्यः च आह्वानं कृतवान् यत् ते नियमानाम् अनुपालनं कुर्वन्तु, सार्वजनिकस्थानानां अतिक्रमणं न कुर्वन्तु। समग्रतया जबलपुरे प्रचलति अयं अभियानः प्रशासनस्य कठोरताम् अपि च नगरस्य उन्नयनार्थं तस्य अटलप्रतिबद्धतां च प्रतिबिम्बयति। आगामिदिनेषु एतादृशाः अभियानाः निरन्तरं भविष्यन्ति, येन नगरस्य यातायातप्रबन्धने, नगरीयमूलसंरचनायाः।

संकटग्रस्तदेशेभ्यः भारतीयान् निष्कासयितुं पूर्वं अनेके सफलाः

ब्रह्मास्त्र ▸▸ मुम्बई

विशेषज्ञाः मन्यन्ते यत् एतादृशे विशालपरिमाणे नागरिकानां सुरक्षितरूपेण प्रत्यागमनं कस्यापि राष्ट्रस्य कृते महत्त्वपूर्णं आव्हानं भवति; तथापि भारतेन एतत् व्यवस्थितरूपेण संगठितरूपेण च सम्पादितम् अस्ति। संकटग्रस्तदेशेभ्यः भारतीयान् निष्कासयितुं पूर्वं अनेके सफलाः मिशनाः कृताः, तस्मिन् एव प्रयत्नमालायां एतत् कार्यं अपरं महत्त्वपूर्णं उदाहरणं गण्यते तथापि पश्चिम एशियायाः स्थितिः अद्यापि पूर्णतया सामान्यतां न प्राप्तवती। क्षेत्रे प्रचलति तनावः अनिश्चितता च वैश्विक ऊर्जा-आपूर्तिं आर्थिकक्रियाकलापं च प्रभावितं करोति। भारतसदृशस्य देशस्य कृते, यः तैलस्य आयातस्य उपरि बहुधा अवलम्बते, एषा स्थितिः अद्यापि महत्त्वपूर्णं आव्हानं प्रस्तुतं करोति। नागरिकेभ्यः अनावश्यकयात्राभ्यः निवृत्ताः भवेयुः इति सर्वकारेण आह्वानं कृतम् अस्ति।

राशिफल

मेष : आज का दिन भागदौड़ वाला रह सकता है। काम एक साथ कई आ सकते हैं, जिससे थोड़ा दबाव महसूस होगा।

वृषभ : आज आपको काम में स्थिरता महसूस हो सकती है जो काम कुछ समय से अटका था, उसमें धीरे-धीरे सुधार दिख सकता है।

मिथुन : आज आपका ध्यान एक जगह टिकाना थोड़ा मुश्किल हो सकता है। काम के बीच-बीच में ध्यान भटक सकता है।

कर्क : आज मन थोड़ा उलझा रह सकता है। छोटी-छोटी बातों को लेकर ज्यादा सोच सकते हैं।

सिंह : आज काम में देरी या रुकावट आ सकती है। जो चीजें जल्दी होनी चाहिए, उनमें समय लग सकता है।

कन्या : आज आपको सोच-समझकर फैसले लेने होंगे। जल्दी में लिया गया फैसला बाद में बदलना पड़ सकता है।

तुला : आज आपको काम में संतुलन बनाकर चलना होगा। ज्यादा जिम्मेदारियां एक साथ आ सकती हैं।

वृश्चिक : आज पैसों के मामले में सतर्क रहने की जरूरत है। खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए प्लान बनाकर चलें।

धनु : आज दिन व्यस्त रह सकता है। काम ज्यादा रहेगा और समय कम लगेगा। ऐसे में प्राथमिकता तय करना जरूरी रहेगा।

मकर : आज आप चीजों को गहराई से समझने की कोशिश करेंगे। हर बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचेंगे।

कुंभ : आज घर और काम दोनों जगह संतुलन जरूरी रहेगा। एक चीज पर ज्यादा ध्यान देने से दूसरी चीज प्रभावित हो सकती है।

मीन : आज आप थोड़ा अंदर की तरफ रह सकते हैं। ज्यादा बोलने के बजाय सोचने का मन करेगा।

ज्योतिष/वास्तु

सूर्य-गुरु की युति बनाएगी केंद्र दृष्टि योग, इन राशियों को हो सकता है भारी नुकसान

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, 9 अप्रैल 2026 को सूर्य और बृहस्पति एक-दूसरे से 90 डिग्री के कोण पर होंगे। इससे 'सूर्य-बृहस्पति केंद्र दृष्टि योग' का निर्माण होगा।

ज्योतिषशास्त्र में सूर्य और बृहस्पति के 'केंद्र योग' को एक बहुत ही प्रभावशाली लेकिन चुनौतीपूर्ण स्थिति माना जाता है। सूर्य अहंकार और शक्ति का प्रतीक है, जबकि बृहस्पति ज्ञान और विस्तार का प्रतीक है। इसी कारण जब ये दोनों ग्रह एक-दूसरे से चौथे या दसवें भाव में स्थित होते हैं तो विचारों में टकराव हो सकता है। इसके साथ ही महत्वपूर्ण निर्णय लेने में गलतियों की संभावना बढ़ जाती है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार 9 अप्रैल 2026 को सूर्य-बृहस्पति केंद्र दृष्टि योग का निर्माण होगा। यह योग कुछ राशियों के लिए खतरनाक प्रभाव डाल सकता

है। विशेष रूप से इस दिन आपकी सोचने की शक्ति और निर्णय लेने की क्षमता की परीक्षा हो सकती है। केंद्र दृष्टि योग के प्रभाव से 5 राशियों के जातकों को सावधान रहने की जरूरत है।

मेष राशि- इस समय सूर्य आपकी अपनी राशि में स्थित है इसलिए बृहस्पति के साथ एक केंद्रीय योग बन रहा है। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होने की संभावना है। आपका क्रोध भी बढ़ सकता है। परिवार के बड़ों या अपने से ऊंचे पद पर बैठे लोगों के साथ विचारों में मतभेद हो सकते हैं। सरकारी कार्यों में बाधाएं आने की संभावना है। इस अवधि के दौरान किसी भी महत्वपूर्ण दस्तावेज पर हस्ताक्षर करने से पहले उन्हें ध्यानपूर्वक पढ़ना और जांच लेना आवश्यक है। शांति से काम लेने पर आपको अच्छे परिणाम मिलेंगे।

वृषभ राशि- इस योग के प्रभाव के कारण आपके खर्चों में अचानक वृद्धि होने की संभावना है। सूर्य और बृहस्पति की यह स्थिति आपकी आर्थिक स्थिति को अस्थिर कर सकती है। निवेश में नुकसान होने की प्रबल संभावना है। हाथ में लिया गया काम अंतिम समय पर रुक सकता है। इस समय आपको आर्थिक मामलों में अधिक सावधान रहना चाहिए। किसी को भी पैसे उधार देने से बचना ही बेहतर है। सोच-समझकर खर्च करने से समस्याओं को कम किया जा सकता है।

सिंह राशि- सूर्य आपकी राशि का स्वामी है इसलिए बृहस्पति के साथ उसका यह प्रबल संबंध आपके मान-सम्मान और प्रतिष्ठा को प्रभावित कर सकता है। कार्यस्थल पर आपकी बातों का गलत अर्थ निकाले जाने की संभावना है। जल्दबाजी में लिए गए निर्णय आपके करियर को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना और अनावश्यक तर्कों से दूर रहना बहुत महत्वपूर्ण है। यदि आप शांति और धैर्य के साथ काम करेंगे तो आप समस्याओं का आसानी से सामना कर पाएंगे।

वृश्चिक राशि- इस योग के प्रभाव के कारण वृश्चिक राशि के लोगों को मानसिक तनाव का अनुभव हो सकता है। स्वास्थ्य के मामले में भी कुछ समस्याएं आ सकती हैं। इसकी उपेक्षा किए बिना इसका ध्यान रखना आवश्यक है। परिवार में संपत्ति से जुड़े मुद्दों पर विवाद गंभीर रूप ले सकते हैं। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए। ध्यान और योग का नियमित अभ्यास इस दौरान आपके मन को शांत रखने में आपकी मदद करेगा।

खबर एक नजर...

हत्या के आरोपी का आज खत्म होगा रिमांड

उज्जैन। आगररोड पर 1-2 अप्रैल की रात हुई हत्या में शामिल एक आरोपी मोनू उर्फ दीपांशु पिता नारायण बुंदेला को चिमनगंज थाना पुलिस ने चंद घंटों में गिरफ्तार कर मामले खुलासा किया था। हत्या में शामिल मोनू के 2 साथी लक्की पिता हेमू और रेहान पिता रफीक मंसूरी निवासी गांधीनगर फरार थे। जिनकी जानकारी जुटाने के लिये मोनू को 2 दिनों की पुलिस रिमांड पर लिया गया था। लेकिन शनिवार शाम तक फरार दोनों आरोपियों का पता नहीं चल पाया। आज मोनू का रिमांड खत्म होने पर उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेजा जायेगा। विदित हो कि तीनों ने लिफ्ट मांगने की बात पर हुए विवाद में बेगमबाग कालोनी में रहने वाले भूरू उर्फ आरिफ की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने फुटेज मिलने पर हत्या में शामिल तीनों आरोपियों की पहचान कर मोनू को नागझिरी क्षेत्र से गिरफ्तार किया था। उसके 2 फरार साथियों की तलाश में एक टीम लगातार उनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

तराना फंटा पर कार से भिड़े बाइक सवार मामा-भांजे

उज्जैन। ग्राम जैथल टैक में रहने वाला दीपक पिता कैलाश और उसका भांजा विजय पिता शिवलाल बाइक से बड़ौद गये थे। शनिवार शाम वापस लौटते समय तराना फंटा पर कार से जा भिड़े। दुर्घटना में दोनों को गंभीर चोंट आई। मौके पर महिदपुर की 108 एम्बुलेंस पहुंची। ईएमटी गोवर्धन बगाना ने प्राथमिक उपचार दिया और तत्काल पायलेट महेन्द्रसिंह के साथ चरक अस्पताल लेकर पहुंचा। जहां डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद विजय को हड्डी वार्ड और दीपक को जनरल वार्ड में भर्ती किया। विजय के पैर में फैक्चर होना बताया गया है।

आगररोड पर सड़क दुर्घटना में बुजुर्ग की मौत

उज्जैन। आगररोड शराब दुकान से कुछ दूरी पर शनिवार दोपहर दुर्घटना में बुजुर्ग राजेश पिता बालमुकुंद सिसौदिया निवासी विक्रम यूनिर्वसिटी कैम्पस की मौत हो गई। दुर्घटना की सूचना मिलने पर चिमनगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। जांच में पता चला कि आटो चालक ने टक्कर मारी है। शव चरक अस्पताल के पोस्टमार्टम कक्ष लाया गया और परिजनों को सूचना दी गई। इस दौरान सामन आया कि मृतक का परिवार शहर से बाहर है। रविवार तक लौटेगा। आरक्षक मंयक के अनुसार परिवार के आने पर ही मृतक के संबंध में जानकारी स्पष्ट हो पायेगी। फिलहाल दुर्घटना की जांच शुरू की गई है, आटो चालक का पता लगाने के लिये मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे जायेगें।

मृतक बुजुर्ग के पास मिला मुम्बई का आधार कार्ड

उज्जैन। चरक अस्पताल में 25 मार्च को बुजुर्ग सुमेरसिंह पिता रामचंद्र बीमारी के चलते भर्ती हुआ था। जिसका लगातार उपचार चल रहा था, उसके परिवार को कोई सदस्य अस्पताल नहीं पहुंचा था। शनिवार को तबीयत अधिक खराब होने पर उसे इंदौर रैफर किया गया। लेकिन रास्ते में मौत हो गई। शव वापस चरक अस्पताल लाया गया और मामले की सूचना महाकाल थाना पुलिस को दी गई। एएसआई शंकरलाल कनौजिया अस्पताल पहुंचे। शव को पोस्टमार्टम कक्ष में रखा गया। अस्पताल स्टॉफ से जानकारी लेने पर पता चला कि पर्चे पर नाम सुमेरसिंह और पता मुम्बई लिखवाया गया था। एएसआई ने बुजुर्ग के कपड़ों की तलाशी ली तो उसमें आधार कार्ड मिला। जिसमें नाम सुमेरसिंह अंकित था और पता घाटकोपर मुम्बई का लिखा था। एएसआई के अनुसार मुम्बई पुलिस से संपर्क कर परिजनों का पता लगाने के प्रयास किये जा रहे है। उनके आने पर मृतक के उज्जैन आने की जानकारी सामने आ पायेगी।

ट्रेक्टर-ट्राली को मारी थी टक्कर, युवक की हुई थी मौत

मिनी बस में आग लगाने वालों अज्ञात लोगों पर दर्ज प्रकरण

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

उज्जैन-आगर मार्ग पर शुक्रवार-शनिवार रात ट्रेक्टर-ट्राली और मिनी बस के बीच टक्कर हो गई थी। ट्रेक्टर-ट्राली पलटने पर चालक की दबने से मौत हो गई थी। आक्रोशित लोगों ने मिनी बस में आग लगा दी थी। पुलिस ने मामले में आगजनी का प्रकरण दर्ज करने साथ बस चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने केस दर्ज किया है।

घट्टिया थाना क्षेत्र के ग्राम तुलाहेड़ा में दिल्ली पासिंग मिनी बस क्रमांक डीएल 01 वीसी 5919 ने आगे चल रही गेहूं से भरी ट्रेक्टर-ट्राली को पीछे से टक्कर मार दी थी। ट्रेक्टर-ट्राली सड़क से नीचे उतरने के बाद पलट गई। ट्रेक्टर चला रहा युवक विजय पिता रामचंद्र सोलंकी निवासी ब्राह्मणखेड़ा दब गया था और ट्राली पर बैठा राजेश पिता बद्रीलाल शर्मा घायल हो गया था। दुर्घटना की जानकारी ग्रामीणों को लगी तो मौके पर पहुंचे। ट्रेक्टर के नीचे दबे विजय की मौत हो चुकी थी, गुस्से में कुछ लोगों ने मिनी बस में आ लगा दी। कुछ देर में बस

पूरी तरह लपटों से घिर गई। घटनाक्रम की जानकारी लगते ही घट्टिया, राघवी और पानबिहार चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। मिनी बस की आग पर फायर बिग्रेड ने पहुंचकर काबू पाया। दुर्घटना में ट्रेक्टर चालक की मौत के साथ उसका साथी राजेश, बस चालक शिवकुमार, यात्री धर्मेन्द्र और बॉबी के साथ 2 बच्चे घायल थे। जिन्हे रात में ही चरक अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से धर्मेन्द्र और बॉबी की हालत गंभीर होने पर निजी अस्पताल ले जाया गया। बच्चों को प्राथमिक उपचार दिया गया। चालक और मृतक के साथी का चरक अस्पताल में उपचार जारी है। मामले में घट्टिया थाना प्रभारी करण खोवाल ने बताया कि दुर्घटना में युवक की मौत होने पर मर्ग कायम करने के साथ मिनी बस चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने का प्रकरण दर्ज किया गया है। वहीं बस में आग लगाने के मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ आगजनी का प्रकरण बस मालिक निवासी दिल्ली की शिकायत पर दर्ज किया गया है।

ग्रामीणों का तुलाहेड़ा टोल पर चक्काजाम

दुर्घटना के बाद तुलाहेड़ा टोल पर ग्रामीणों ने चक्काजाम कर दिया। पानबिहार चौकी प्रभारी जयंत डामोर ने बताया कि ग्रामीणों का कहना था कि ट्रेक्टर-ट्राली पलटने और उसके नीचे चालक के दबे होने की सूचना टोल प्लाजा को दी गई थी। लेकिन वहां से क्रेन काफी देर में पहुंची। केन के आने पर उसमें पट्टा नहीं था, जिसके चलते ट्रेक्टर के नीचे से चालक को निकालने में देरी हुई। पट्टा मंगवाया गया, वह भी टूट गया। ग्रामीणों की मांग थी कि क्रेन चालक और उससे जुड़े लोगों पर कार्रवाई की जाये। थाना प्रभारी खोवाल ने कार्रवाई का आश्वासन दिया और जाम खुलवाया। शनिवार को एक पत्र क्रेन से जुड़े कर्मचारियों की लापरवाही के मामले में टोल प्लाजा अधिकारियों को जारी किया गया है।

बस में सवार थे दिल्ली के 22 यात्री

बताया जा रहा है कि मिनी बस में दिल्ली के 22 यात्री सवार थे, जिसमें बच्चे, महिला और पुरूष शामिल थे, सभी महाकाल दर्शन करने उज्जैन आ रहे थे। ट्रेक्टर-ट्राली गेहूं भरकर ग्राम ब्राह्मणखेड़ा से अजान मंडी के लिये उज्जैन जा रही थी। गनीमत रही दुर्घटना के बाद बस में सवार सभी यात्री उतर गये थे, आगजनी में कोई हताहत नहीं हुआ।

मार्च के अंत में बढ़ी गर्मी, अप्रैल की शुरूआत में कम

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

मार्च माह के अंतिम दिनों में सूरज के तेवर काफी तीखे हो गये थे। तापमान 37 डिग्री पार होता दिखाई दे रहा था, लेकिन अप्रैल की शुरूआत होते ही मौसम में बदलवा नजर आ रहा है। तापमान 33 डिग्री पर आ गया है।

पिछले कुछ महिनों से पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से मौसम में लगातार बदलवा दिखाई दे रहा है। मार्च की शुरूआत में बारिश आंधी के बाद अंत के दिनों में सूरज के तेवर काफी तीखे हो गये थे। 30 मार्च को दिन का तापमान 37 डिग्री पहुंच गया था, वहीं 31 मार्च और 1 अप्रैल के बीच रात का तापमान 21 डिग्री दर्ज हुआ था। ऐसा लगने लगा था कि गर्मी ने दस्तक दे दी है। लेकिन एक बार फिर से मौसम में बदलवा दिखाई दे रहा है। दिन में कभी धूप तो कभी बादलों की आवाजाही के साथ तेज हवा चलने लगी है। जिसके चलते शनिवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री पर आ गया। वहीं शुक्रवार-शनिवार रात न्यूनतम भी 19.5 डिग्री दर्ज किया गया। हवा 8 से 10 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चल रही थी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार पश्चिमी विक्षोभ का असर मध्यप्रदेश में दिखाई दे रहा है। साइक्लोनिक सकुलेशन और टर्फ सिस्टम की वजह से कई जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश और ओलावृष्टि होती रहेगी। शनिवार को प्रदेश के कई जिलों ओलावृष्टि, बारिश से मौसम पूरी तरह से बदला दिखाई दिया है। स्थानीय शासकीय जीवाजीराव वेधशाला की माने तो उज्जैन में हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। सोमवार तक तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। उसके बाद फिर तापमान में तेजी आयेगी लेकिन 9-10 अप्रैल को फिर से मौसम बदल सकता है। मौसम में बार-बार आ रहे बदलाव से लोगों के स्वास्थ्य पर असर पड़ता दिखाई देने लगा है।

कैथोलिक चर्च में रात 2.45 बजे प्रभात वंदना और जुलूस

ईसा मसीही के पुनरुत्थान का दिवस ईस्टर पर्व आज

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

ईसाई समुदाय के प्रभु यीशु को गुड फ्राइडे के दिन सूली पर चढ़ाया गया था, तीसरे दिन वह मृतकों में से जी उठे थे। आज प्रभु यीशु के पुनरुत्थान का पर्व ईस्टर के रूप मे मनाया जायेगा। इससे पहले शनिवार-रविवार रात 2.45 बजे कैथोलिक चर्च परिसर में प्रभात वंदना के साथ जुलूस निकाला गया।

धर्मग्रंथ बाइबल के अनुसार गुड फ्राइडे पर प्रभु यीशु को मानव जाति के उद्धार और पापों की क्षमा के लिये सूली पर अपने प्राण त्याग दिये थे और तीसरे दिन वह मृतकों में से जी उठे थे। शुक्रवार को ईसाई समुदाय ने गुड फ्राइडे मनाया था और कैथोलिक चर्च के साथ मसीही चर्च में दोपहर को प्रार्थना सभा के साथ क्रूस यात्रा निकाल गई थी।

आज समाजजन ईस्टर मनायेगा। रात 2.45 बजे कैथोलिक चर्च में प्रभात वंदना की शुरूआत हुई। जिसकी अगुवाई आर्च बिशप सेवास्टियन वडक्केल द्वारा की गई। प्रभात वंदना में प्रभु यीशु के पुनरूत्थान की धर्म विधियों का अनुशरण किया गया। उसके बाद चर्च परिसर में जुलूस निकाला गया और खुशियां मनाई गई। इस दौरान समाजजन मौजूद रहे। आज सुबह 8.30 बजे पवित्र बलिदान के साथ आराधना होगी। मसीही चर्च में आज सुबह ईस्टर का उत्साह दिखाई देगा।

21 दिन मनायेगें स्वगारीहण दिवस- ईसाई धर्मग्रंथ बाइबल के अनुसार प्रभु यीशु मृतकों में से जी उठे के बाद 21 दिनों तक लोगों के बीच रहे थे और मानवता का संदेश दिया था। उसके बाद उन्हे आसमान में उठा लिये गये थे। उनके आसमान में उठा लेने का स्मरण करते हुए 21 दिनो बाद स्वगारीहण दिवस मनाया जायेगा। ईसाई समुदाय का मानना है कि प्रभु अंत के दिनों में एक बार फिर आयेगें।

मामला सिंथेटिक्स एमडीएमए ड्रग्स बनाने का

झालावाड़ में 10 गुना ज्यादा कीमत पर बेचते थे ब्रोनोपोल

ब्रह्मास्त्र ▸▸ उज्जैन

सिंथेटिक्स ड्रग्स बनाने के लिये ब्रोनोपोल एवं 2-ब्रोमो-4-मिथाइल प्रोपियोफिनोन जैसे घातक रसायन महाराष्ट्र-गुजरात से मंगवाये गये थे। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए 3 युवकों को हिरासत में लिया था। शनिवार दोपहर एक को न्यायालय में पेश कर पांच दिनों की रिमांड पर लिया गया है। 2 को रविवार दोपहर पेश किया जायेगा।

चिमनगंज थाना पुलिस ने क्राइम और सायबर टीम के साथ मिलकर आगररोड स्थित कृष्णा मोटर्स गैरेज से सिंथेटिक्स ड्रग्स बनाने का 75 किलो घातक रसायन ब्रोनोपोल और 2-ब्रोमो-

4-मिथाइल प्रोपियोफिनोन बरामद किया था। मामले से जुड़े 3 आरोपितों अर्पित उर्फ सौरभ गुप्ता निवासी तिरुपतिधाम एक्सेंशन, रंजीत पिता करन सिंह निवासी गरोठ जिला मंदसौर और ओमप्रकाश पिता घनश्याम शर्मा निवासी बड़ौद जिला आगर मालवा को गिरफ्तार किया था। घातक रसायन के साथ पुलिस को 8.50 लाख रुपए नगद, एक बोलेनो कार और खरीद-फरोख्त के दस्तावेज मिले थे। थाना प्रभारी गजेन्द्र पचौरिया ने बताया कि शनिवार को अर्पित गुप्ता को न्यायालय में पेश कर 5 दिनों की रिमांड पर लिया गया है। उसके 2 साथियों को रविवार दोपहर कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जायेगा। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि उक्त रसायन गुजरात-महाराष्ट्र से मंगवाया गया था। रसायन को 5 हजार रुपए प्रति किलो के हिसाब से मंगवाते थे और झालावाड़ में 30 से 50 हजार रुपए किलो में बेचते थे। जहां सिंथेटिक्स एमडीएमए ड्रग्स बनाने में रसायन का उपयोग किया जाता था। थाना प्रभारी के अनुसार मामले में आरोपितों की संख्या बढ़ सकती है। वहीं मामले में कई महत्वपूर्ण जानकारी भी सामने आ सकती है।

23 दिन पहले ही लगाता था प्रतिबंध

थाना प्रभारी पचौरिया ने बताया कि उक्त रसायन का उपयोग गलत कामों में होने पर 23 दिन पहले 11 मार्च को प्रतिबंध लगा दिया गया था। पहले ब्रोनोपोल एवं 2-ब्रोमो-4-मिथाइल प्रोपियोफिनोन का कास्मेटिक्स सामान, रंगाई-पुताई, औद्योगिक प्रणालियों में किया जाता था। यह रसायन सफेद और हल्के पीले रंग का क्रिस्टलीय पाउडर है। यह फार्मास्युटिकल उद्योग में एक महत्वपूर्ण मध्यवर्ती है। इस का उपयोग दर्द निवारक दवाओं में भी किया जाता था। लेकिन गलत कामों में उपयोग होने पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, महाकाल मंदिर मार्ग, मालीपुरा, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-संदीप मेहता 9827771777 फोन : 0734-4012777 Email -dainikbrahmastra@gmail.com